

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001.”



पंजीयन क्रमांक “छत्तीसगढ़/दुर्ग/ सी. ओ./रायपुर 17/2002.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 48]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 28 नवम्बर 2003—अग्रहायण 7, शक 1925

## विषय—सूची

भाग 1.—(1) राज्य शासन के आदेश, (2) विभाग प्रमुखों के आदेश, (3) उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं, (4) राज्य शासन के संकल्प, (5) भारत शासन के आदेश और अधिसूचनाएं, (6) निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं, (7) लोक-भाषा परिशिष्ट.

भाग 2.—स्थानीय निकाय की अधिसूचनाएं.

भाग 3.—(1) विज्ञापन और विविध सूचनाएं, (2) सांख्यिकीय सूचनाएं.

भाग 4.—(क) (1) छत्तीसगढ़ विधेयक, (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन, (3) संसद में पुरःस्थापित विधेयक, (ख) (1) अध्यादेश, (2) छत्तीसगढ़ अधिनियम, (3) संसद् के अधिनियम, (ग) (1) प्रारूप नियम, (2) अंतिम नियम.

## भाग १

### राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 13 नवम्बर 2003

क्रमांक ई-1-5/2003/1/2.—श्री बी. एल. अग्रवाल, भा. प्र. से. (1988), विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण, संसदीय कार्य विभाग तथा अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के पद पर पदस्थ किया जाता है. श्री अग्रवाल को आगामी आदेश तक विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
एस. के. मिश्रा, मुख्य सचिव.

रायपुर, दिनांक 17 नवम्बर 2003

क्रमांक 983/2003/1-8/स्था.—श्री एन. के. भट्टर, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, सामान्य प्रशासन विभाग को दिनांक 28-10-2003 से 6-11-2003 तक 10 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

2. अवकाश से लौटने पर श्री एन. के. भट्टर को विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर पुनः पदस्थ किया जाता है।
3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था।
4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री एन. के. भट्टर अवकाश पर नहीं जाते तो विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर कार्य करते रहते।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
शिवराज सिंह, प्रमुख सचिव।

रायपुर, दिनांक 10 नवम्बर 2003

क्रमांक 963/2003/1-8/स्था.—श्री टी. आर. नागेन्द्र, वित्तीय सलाहकार, आदिमजाति तथा अनु. जाति विकास विभाग को दिनांक 10-11-2003 से 29-11-2003 तक 20 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है, साथ ही दिनांक 30-11-2003 के सार्वजनिक अवकाश को जोड़ने की अनुमति प्रदान की जाती है।

2. अवकाश से लौटने पर श्री नागेन्द्र को वित्तीय सलाहकार, आदिमजाति तथा अनु. जाति विकास विभाग के पद पर पुनः पदस्थ किया जाता है।
3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था।
4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री टी. आर. नागेन्द्र, अवकाश पर नहीं जाते तो वित्तीय सलाहकार, आदिमजाति तथा अनु. जाति विकास विभाग के पद पर कार्य करते रहते।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
दुर्गेश मिश्रा, संयुक्त सचिव।

### विधि और विधायी कार्य विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 15 सितम्बर 2003

क्रमांक फा. 1-1/2003/5770/21-ब/03.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (क्रमांक 2 सन् 1974) की धारा 9 उपधारा (एक) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, दिनांक 4 अप्रैल, 2003 को जारी अधिसूचना क्रमांक एफ-1-1/2003/2615/21-ब/03 को अतिष्ठित करते हुए प्रत्येक सत्र खण्डों के लिए सत्र न्यायालय स्थापित करती है, तथा इस प्रकार की स्थापना नियत दिनांक 2 अक्टूबर, 2003 से प्रवृत्त माने जायेंगे।

## अनुसूची

अनुक्रमांक (1)	सत्र खण्ड (2)
1.	बस्तर (जगदलपुर)
2.	बिलासपुर
3.	दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा
4.	दुर्ग
5.	जशपुर
6.	रायगढ़
7.	रायपुर
8.	राजनादगांव
9.	सरगुजा (अम्बिकापुर)

Raipur, the 15th September 2003

No. F-1-1/2003/5770/21-B/03.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 9 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (No. 2 of 1974) and in supersession of the previous Department Notification No. F-1-1/2003/2615/XXI-B/03 dated 4th April, 2003, the State Government are pleased to established a Court of Session for every Sessions Division with effect from the 2nd October, 2003.

## SCHEDULE

S. No. (1)	Sessions Division (2)
1.	Bastar (Jagdalpur)
2.	Bilaspur
3.	Dakshin Bastar (Dantewara)
4.	Durg
5.	Jashpur
6.	Raigarh
7.	Raipur
8.	Rajnandgaon
9.	Surguja (Ambikapur)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
प्रभात शास्त्री, उप-सचिव.

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग  
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 21 नवम्बर 2003

क्रमांक एफ-73/123/उ. शि./03/38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत अंकुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उक्त अधिनियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 16 (सोलह) प्रथम संविधियां अनुमोदित करता है.

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होंगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. एम. शर्मा, सचिव

**Ankur University**

[Established under the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya  
(Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002]

Head Office: Opp. Holy Cross School, Mangala Road, Bilaspur – 495 001

Coordination Office: 301, Suraj Mansion, Ameerpet, Hyderabad-500 016

---

**Draft of First Statutes made by the Governing Body of the University  
For submission to the Govt. of Chhattisgarh  
[Under Section 25 of the Adhiniyam]**

---

**First Statutes of the University**

[Under Section 25(1) of the Adhiniyam]

1. The First Statutes are made by the Governing Body of the University under Section 25(1) of the Adhiniyam (and are approved by the Government of Chhattisgarh vide No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_).
2. **Short Title and Commencement**
  - 2.1 The First Statutes shall be called as "The First Statutes of Ankur University". They have come into force with effect from \_\_\_\_\_
3. **Amendment/Repeal of First Statutes and Subsequent Statutes**
  - 3.1 The Board of Management may, with the approval of the Governing Body, make Subsequent or additional Statutes or may amend or repeal the First Statutes after following the procedure laid down in the Adhiniyam.
  - 3.2 A Subsequent Statute or a Statute amending or repealing an existing Statute shall not be valid unless the Government duly approves it.
4. **Definitions:**

In these First Statutes, unless the context otherwise requires,

  - 4.1 "Adhiniyam" means The Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002.
  - 4.2 "Government" means the Government of the State of Chhattisgarh.
  - 4.3 "University" means the Ankur University.

- 
- 4.4 "Governing Body" means the Governing Body of the University.
- 4.5 "Board of Management" means the Board of Management of the University.
- 4.6 "Academic Council" means the Academic Council of the University.
- 4.7 "Society" means the Ankur Society for Education and Advance Learning.
- 4.8 "Study Center" means a center established, maintained or recognized by the University for the purpose of advising, counseling or for rendering any other assistance required by the students.
- 4.9 "Regional Center" means a center established or maintained or recognized by the University for the purpose of coordinating and supervising the work of Study Centers in any region and for performing such other functions as may be conferred on such center by the Board of Management.
- 4.10 "Employee" means full time employees appointed by the University and includes teachers and other academic staff.
- 4.11 The expression "he" shall also include and represent the expression "she" and vice versa.

**STATUTE No.1****Powers of the Chancellor**

[Section-14(4)(d) of the Adhiniyam]

1. The Chancellor may call for any information or record or seek explanations or clarifications on any matter pertaining to the university from any functionary or officer of the University.
2. The Chancellor shall appoint or remove the Vice-Chancellor, Officiating Vice-Chancellor, Registrar and other officers as per provisions of the Adhiniyam, Statutes and Ordinances.
3. The Chancellor shall appoint an Officiating Vice-Chancellor from among the members of the Board of Management or from among the Professors of the University in the event of a vacancy including a temporary vacancy occurred in the office of the Vice-Chancellor on his leave, illness, resignation, death or otherwise. The Acting Vice-Chancellor so appointed shall hold the office till the existing Vice-Chancellor returns or a new Vice-Chancellor appointed and assumes the charge as the case may be, provided that the arrangement shall not exceed a period of six months.
4. The Chancellor may appoint an Academician and / or an Administrator as his Adviser (s) and may constitute such committees, as he deems necessary to help him in discharge of duties entrusted to him under the Adhiniyam.

**STATUTE No.2****Terms and Conditions of Appointment of Vice-Chancellor, Powers and Duties of Vice-Chancellor [Section 25(1)(b) read with Section 15 (1-7) of the Adhiniyam]**

1. The Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor from a panel of three persons recommended by the Governing Body and shall hold office for a term of four years subject to provision contained in Section 34(7) of the Adhiniyam. He shall not be eligible for reappointment for more than two terms provided that notwithstanding the expiry of his term, he shall continue to hold office until his successor is appointed and enters in the office but this period shall not in any case exceed six months.

Provided further that he shall cease to hold the office on attaining the age of 70 years.

2. The Vice-Chancellor shall be whole time salaried officer of the University. He shall receive salary and other benefits recommended by the University Grants Commission and approved by the State Government from time to time or as mutually agreed between the Vice-Chancellor and the Society.
3. The Vice-Chancellor shall be provided residential accommodation without payment of rent and expenses on maintenance.
4. The Vice-Chancellor shall have power to constitute such committees, as he deems necessary to help him in the discharge of the duties entrusted to him from time to time.

The Vice-Chancellor shall exercise such other powers including financial powers as may be given by the Chancellor and the Governing Body, subject to the control of the Chancellor and the Governing Body and the financial regulations and limits laid down from time to time.

**STATUTE No.3****Terms and Conditions of Appointment of Registrar, Duties and Powers of Registrar [Section 25 (c) read with Section 16(1) of the Adhiniyam]**

1. The Registrar shall be a full time salaried officer of the University.
2. The Registrar shall receive salary in the pay scale prescribed by University Grants Commission and approved by the Governing Body from time to time or as mutually agreed between the Registrar and the Governing Body. He shall draw allowances and avail benefits as approved by the Governing Body from time to time.
3. The Registrar shall be appointed by the Chancellor, on the recommendation of the selection committee constituted by the Governing Body, for a term of 3 years.
4. Duties and Powers of the Registrar:
  - (a) Duties of the Registrar:
    - i) To be custodian of the records, the common seal and such other property of the University, as the Governing Body shall commit to his charge.
    - ii) To issue notice for convening the meetings of the Governing Body, the Board of Management, the Academic Council and other authorities, bodies and committees, declared under the statute and authority of the University. He shall act as Secretary of all these authorities, bodies and committees.
    - iii) To record minutes of all the meetings of the authorities, bodies and committees and to execute the decision taken by them.
    - iv) To conduct all official correspondence of the University.
    - v) To arrange for and superintend the examinations of the University.
    - vi) To send to the Visitor and Chancellor:

copies of the agenda of the meetings of the Governing Body, Board of Management and Academic Council as soon as such agenda is issued;



- copies of the Minutes of the meetings of the authorities mentioned hereinbefore; and
  - such other papers and information as the Visitor or the Chancellor may direct him to supply.
- vii) To collect payments, donations, etc. and distribute payment and maintain the accounts of the University through the Chief Finance and Accounts Officer of the University and to see that all monies are utilized for the purpose they are collected/granted/donated for.
- viii) To exercise all such powers as may be necessary or expedient to carry out the orders of the Visitor, Chancellor and the Governing Body of the University.
- ix) To discharge such other functions as may be assigned to him from time to time by the Chancellor and the Governing Body.
- x) To perform such other duties as may from time to time be entrusted to him by the Statutes, Ordinances, Regulations and Resolutions of Governing Body, Board of Management, Academic Council and other authorities.
- xi) To render such assistance as may be desired by the Chancellor and the Governing Body in the performance of their office duties.

b) Powers of the Registrar:

- i) Subject to the approval of the Governing Body, the Registrar shall have power to appoint all non-academic employees of the University and shall exercise disciplinary control over them.
- ii) The Registrar shall explain the agenda, if desired by the Chairman of any Authority, Body or Committee and speak at their respective meetings.
- iii) Subject to the control and approval of the Governing Body and / or the Board of Management, the Registrar shall have financial powers including the borrowing of loans for the University and execution of the contracts on behalf of the University.

**STATUTE No.4****Appointment of Dean of the Faculty**  
(Section 12(6) of the Adhiniyam)

1. There shall be a Dean of each Faculty in which the University is imparting education.
2. The Dean shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of Vice-Chancellor from amongst the Professors/Reader of respective teaching department of the University in order of their seniority by rotation. If it is found necessary and appropriate, the Dean of Faculty for a Department can be chosen and appointed from any other Department of the University.
3. The term of the Dean shall be for a period of two years from the date of appointment.
4. The Dean shall preside over the meeting of faculty and shall give opinion on the recognition of courses as and when referred to him.
5. The Dean shall perform such other duties as may be assigned to him from time to time by the Board of Management and Academic Council.

**STATUTE No.5****Terms and Conditions of Appointment of Chief Finance and Accounts Officer, his duties and powers.**

[Section 25(1) (c) read with Section 17(1) of the Adhiniyam]

1. The Chief Finance and Accounts Officer shall be a full time salaried officer of the University and shall receive salary in the pay scale prescribed by the State Government for University Finance Officer/Deputy Registrar including allowances and benefits or as may be mutually agreed to between him and the Governing Body.
2. The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed to the position with the approval of the Governing Body based on the recommendation of a selection committee appointed by the Governing Body. He will be under the administrative control of the Registrar.
3. The appointment to the position shall be subject to the incumbent possessing the qualification laid down from time to time by the Governing Body.
4. The term of appointment of the Chief Finance and Accounts shall be for a period of 4 years and the incumbent shall be eligible for reappointment for further term/terms subject to the age limit of 65 years.
5. Duties and Powers:
  - 4.12 Subject to the control of the Registrar, the Chief Finance and Accounts Officer shall -
    - (a) Hold and manage the property and investment of the University including the Society and endowed property;
    - (b) Ensure that the limits fixed by the Board of Management for recurring and non-recurring expenditure for the year are not exceeded and that all monies are spend for the purpose for which they are granted or allocated;
    - (c) Keep a constant watch on the State of cash and bank balances and on the state of investments.
  - (ii) Subject to the control of the Registrar, the Chief Finance and Accounts Officer shall -

- (a) Collect the income, disburse the payments and maintain the accounts of the University;
  - (b) Be responsible for the preparation of annual accounts and budget of the University;
  - (c) Have the accounts of the University regularly audited;
  - (d) Ensure that the Registers of buildings, land, furniture, equipments, vehicles, etc. are maintained up to date and the stock checking is conducted in all offices, study centers, and institutions maintained by the University; and
  - (e) Suggest appropriate action against persons responsible for unauthorized expenditure and for other financial irregularities.
- (iii) The Chief Finance and Accounts Officer shall have the power to call from any office or institution of the University any information or returns that he may consider necessary for due performance of his duties.

10/12/03  
10/12/03  
10/12/03

**STATUTE No.6****Other Officers of the University, Terms and Conditions of Appointment**  
[Section 12(6) and Section 25(1)(d) of the Adhiniyam]

- 4.12.1 The University shall have, in addition to those provided under Section 12(1) to (5) of the Adhiniyam and the Statutes of the University, such other whole-time salaried officers as required for fulfillment of its objectives from time to time.
- 4.12.2 The qualifications, eligibility conditions, method of selection, salary and benefits and other conditions of service for each such officer shall be as determined by the Governing Body.
- 4.12.3 The University shall identify suitable persons for appointment to the positions by publishing the positions in prominent daily newspapers and / or through recruitment agencies and the selection will be on the basis of recommendations by selection committees appointed for the purpose by the Board of Management.
- 4.12.4 The role, functions, duties and powers of the officers shall be such as the Governing Body may determine from time to time.
- 4.12.5 In addition to whole time employees, the University may also create for fixed periods part-time, contract and assignment-based positions in teaching and non-teaching categories either direct or through outsourcing, the terms and conditions of which will be determined by the Board of Management from time to time.

**STATUTE No.7****Conditions of Service of University Employees**

[Section 25(1)(e) of the Adhiniyam]

**1. Definition and Applicability:**

- 1.1 Save as otherwise provided in the Adhiniyam and Statutes, the provisions of this Statute shall apply to all the employees of the University appointed on full time and paid by the University, except for those whose services are taken on deputation from Central/State Government/Body Corporate.
- 1.2 In this Statute,
  - (a) "Pay" means the amount of monthly basic salary of the employee and shall not include any special or additional pay granted to him and any other emoluments that he draws as allowances and largesse.
  - (b) "Average Pay" means the average month pay earned during the ten complete months immediately preceding the month in which the employee proceeds on leave or is suspended or terminated or dismissed from service.

**2. Classification of post, appointment, terms and conditions**

- 2.1 The overall manpower shall be as sanctioned by the Governing Body from time to time, save the positions as provided in the Statutes in force.
- 2.2 Save as otherwise provided in Statutes and Ordinances, the qualifications, eligibility conditions and selection method for posts in various categories shall be determined by the Governing Body from time to time.
- 2.3 The whole time University employees shall be at the disposal of University and they may be assigned duties in any manner required by the appropriate authority without claim of additional remuneration.
- 2.4 No employee shall involve and engage in any other employment, assignment, business or vocation, with or without remuneration, and shall devote his or her entire time and effort in discharging the duties and responsibilities assigned by the appropriate authority of the University. No employee of the University shall seek or accept

membership of any local or public bodies, associations, etc. without first obtaining specific permission from the University.

- 2.5 The Board of Management may permit an employee to perform a specified service for a private person, body or Government, and to receive remuneration thereof in the form of fee, or to seek or accept membership of any local or public body, association, etc., if it is satisfied that this can be done without detriment of his official duties or responsibilities.
- 2.6 The performance and conduct of an employee will be assessed every year by respective Head of Department/Branch or the controlling officer. The performance appraisal for the one period ending on 31<sup>st</sup> March in the form prescribed shall be forwarded to the Registrar not later than 30<sup>th</sup> April, every year.
- 2.7 The performance and conduct of an employee appointed on probation shall be assessed by respective Head of Department/Branch or the controlling officer and forwarded to the Registrar at least one month before the date of completion of probation.
- 2.8 If the appointing authority is not satisfied with the performance and / or conduct of the employee on probation, the service of the probationer may be terminated without assigning any notice. The probationer may also terminate the engagement without giving any notice.
- 2.9 If the probationer was appointed to the position by promotion and his performance and / or conduct was not found satisfactory, the appointing authority may revert him to the post held by him before such promotion. Reversion in such cases shall not be deemed to be a penalty.
- 2.10 A permanent employee shall be required to give one month notice in case he wishes to resign or pay one month pay in lieu of such notice. Similarly, if the University terminates the services of a permanent employee, a notice to that effect shall be served on him one month before the date on which he is to be relieved and, in the absence of such notice, the University shall pay him one month pay in lieu of notice. Such notice shall not be necessary if the employee is removed from service, dismissed, compulsorily retired, or has attained the age of retirement or the maximum age limit prescribed for the position.
- 2.11 The age of retirement, save the provisions otherwise contained in the Statutes, Ordinances and Regulations, shall be 58 years. The date of birth as furnished by the employee with documentary proof at the time of joining the service and accepted by the University and incorporated in its record shall be the age for deciding the date of retirement. An employee on attaining the age of retirement shall automatically cease to

be an employee of the University and shall stand relieved from the services, unless otherwise informed in writing by the University.

2.12 Before leaving the University service, an employee whether appointed temporarily or on probation or permanently, shall handover the charge of his post to the employee duly authorized to receive charge and shall return to the University all books, course materials, papers and articles entrusted to him for his use and clear all dues outstanding against him.

2.13 The employees of the University shall maintain and assist the University in so maintaining during their employment and thereafter, strict confidentiality of all information pertaining to the University that he may come into possession during his employment in the University.

2.14 The University employees shall be entitled to leave as per the leave rules framed by the Board of Management and approved by the Governing Body.

### 3. **Suspension, Penalty and Disciplinary Action:**

3.1 The appointing authority may, by an order, place an employee under suspension –

- (a) when disciplinary proceedings against the employee are contemplated or are pending;
- (b) on confirmation of a prima-facie case against an employee on the charges of financial irregularities and / or unethical activity detrimental to the interests of the University; or
- (c) where a case against the employee in respect of any criminal offence is under investigation, enquiry or trial.

3.2 An employee shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the appointing authority –

- (a) with effect from the date of his detention, if he is detained in custody, whether on a criminal charge or otherwise, for a period exceeding 48 hours;
- (b) with effect from the date of his conviction, if in the event of a conviction for an offence, he is sentenced to imprisonment and is not forthwith dismissed or removed or compulsorily retired consequent to such conviction.



- 3.3 An order of suspension made or deemed to have been made shall continue to remain in force until it is modified or revoked by the appointing authority.
- 3.4 The services of a University employee may be terminated on any of the following grounds :
- (a) Willful neglect of duty
  - (b) Misconduct/indiscipline
  - (c) Physical or mental unfitness
  - (d) On abolition of the post held by him
  - (e) Conviction by a court of law for an offence involving moral turpitude.
- 3.5 The appointing authority may for good and sufficient reasons, impose on an employee the following penalties –
- (a) Censure
  - (b) Warning
  - (c) Recovery from his pay whole or part of any pecuniary loss caused to the University on account of negligence or breach of order by the employee
  - (d) Withholding the increments of pay
  - (e) Reduction to lower time scale of pay, grade or post
  - (f) Compulsory retirement
  - (g) Removal from service
  - (h) Dismissal from service
- Besides the above penalties, reasonable fine may be imposed on class IV employees for petty carelessness, irregular attendance, etc.
- 3.6 The appointing authority may institute disciplinary proceedings against the employee in accordance with the procedure laid down by the Governing Body.
- 3.7 Where the penalty is imposed by the Registrar, the employee may prefer an appeal to Vice-Chancellor within 30 days from the date on which the order is served on the employee.

#### 4. Discipline

- 3.1 Every employee shall at all times –

- (a) Maintain absolute integrity;
- (b) Show devotion to duty; and
- (c) Do not commit an act which is unbecoming of an employee of the University.

- 4.2 No employee shall join or continue to be a member of such association the object and activities of which are prejudicial to the interest of the University or public order, decency or morality.
- 4.3 No employee shall:
- (i) Participate in public protests/dharna/hartal/demonstration prejudicial to the interest of the University;
  - (ii) Resort to any violence;
  - (iii) Participate in editing, management of any print or electronic media without prior sanction of the University;
  - (iv) Divulge any matter of the University, both during the course of employment with the University and thereafter, anywhere other than before the competent authority;
  - (v) Take any employment elsewhere either full time or part time without prior approval in writing of the University.
- 4.4 Any infringement by an employee of the provisions under the Statutes in general and in particular those contained in para 4.2 and 4.3 of this Statute shall be regarded as subversive of good discipline and misconduct which shall justify initiating disciplinary action against such employee.
- 4.5 The employees shall be eligible to contributory provident fund as prescribed under the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act.
- 4.6 The scale of pay of different categories of employees shall be such as may be prescribed by the UGC and approved by the State Government applicable to employees of the university established by the State Government or as formulated and approved by the Governing Body from time to time.

**STATUTE No.8****Arbitration to Resolve Disputes**

[Section 25(1)(f) of the Adhiniyam]

1. In the event of dispute arising between the employee and employer, on the request of the employee, the Vice-Chancellor shall appoint an Arbitrator not below the rank of District and Session Judge who shall listen to both the parties and pronounce his award.
2. The Board of Management shall consider the award and act as per directions of the Arbitrator to resolve the dispute.
3. If either of the parties, i.e. employee or the employer is not satisfied with the award, they can approach the Chancellor to appoint a tribunal.
4. The tribunal shall consist of the following members:
  - i) A nominee of the Chancellor, not connected with University, who will act as the President;
  - ii) The nominee of the aggrieved employee; and
  - iii) A nominee of the Board of Management.
5. The decision taken by the tribunal shall be binding on both the parties.
6. The disputes regarding constitution of authorities/bodies or nomination of any member in the authorities/bodies provided for by or under the act/statute/ordinance shall be decided by the Chancellor in the manner he deems fit and his decision shall be final.

**STATUTE No.9****Honorary Degree**

[Section 25(1)(g) of the Adhiniyam]

1. A proposal for conferment of Honorary Degree shall be made by Academic Council.
2. The proposal shall be placed before a committee consisting of the Vice-Chancellor, one eminent educationist not connected with the University and one educationist nominated by the Visitor.
3. If the committee unanimously recommends that an Honorary Degree be conferred on the person on the ground that he is, in its opinion a fit and a proper person to receive such degree, its recommendation shall be placed before the Governing Body and the report of which shall be sent to the Visitor.
4. The Honorary Degree shall be conferred on the person either at a regular convocation as prescribed in the regulations, as laid down by the Board of Management or at a special convocation to be held for the purpose, as may be decided by the Governing Body.

**STATUTE No.10****Exemption from Tuition Fee and Award of Scholarship**

[Section 25(1)(h) of the Adhiniyam]

1. The assistance obtained from the Central Government, State Government or any other authority, funding agency, etc. towards meeting full or in part, any amount towards fees otherwise payable by students belonging to socially disadvantaged or economically weaker sections shall be disbursed strictly as per directions of the authorities providing such assistance.
2. It shall be the duty of the Registrar and the Chief Finance and Accounts Officer of the University to ensure that the student gets the stipend exactly as per the directions of the funding agency.
3. The University will also make provisions for the award of fellowships, scholarships and stipends from its own sources. The terms and conditions of the award shall be laid down in the Ordinance made under section 27(1)(d) of the Adhiniyam.

**STATUTE No.11****Policy of Admission including Reservation of Seats**

[Section 25(1)(i) of the Adhiniyam]

1. The admission to various course shall be made exactly in order of merit, made on the basis of marks obtained at the qualifying examination. The University can also conduct entrance examination for admission in each course either directly or through any other body or agency and admit the students based on the merit secured by them in the entrance examination.
2. The reservation of seats at each institution/center in each course of study shall be as per rules framed for the reservation of seats for SC/ST/OBC and other categories by the Government of Chhattisgarh, from time to time and applicable on the University.

Provided that if seat of any reserved category remains vacant due to non-availability of eligible candidate, in that category, it shall be filled up in the following order:

SC & ST → OBC → OTHERS → GENERAL

Provided also that the candidates admitted under reserved category shall be required to pay the fees as decided by the University for each course and that the said vacant seats must be filled before the start of the Academic session.

3. The Chancellor shall have the power to grant at least one admission to each course subject to a maximum of 2 percent of total seats available in the course.

Provided that the admission shall be accorded only to those candidates who are eligible to be admitted to that course.

**STATUTE No.12****Provisions Regarding Fee to be charged from the Students**

[Section 25(1)(j) of the Adhiniyam]

1. The fees structure of the University shall be decided by the Board of Management from time to time for each course on the basis of total expenditure on the course, the seats earmarked for the course and the net equivalent expenditure per student. The fee shall be charged as course fee (tuition and laboratory fee) per semester or per annum basis.
2. Each student shall also be charged the enrollment fee, development fee, examination fee, etc. as provided in regulations.

Provided also that the  
shall be reduced to per  
course and the

**STATUTE No.13****Provisions Regarding Number of Seats in Each Course**  
[Section 25(1)(k) of the Adhiniyam]

1. The number of seats for the post graduate, under graduate and other courses shall be decided by the Board of Management in consultation with the Academic Council.
2. The Academic Council shall lay down the norms, having details regarding the infrastructure facilities and required faculty, number of students for each course and place the same before the Board of Management. On being approved by the Board of Management, those norms shall be strictly followed for deciding the seats in each course under different modes/institutions/centers.



**STATUTE No.14****Academic Council**

[Section 19(1)(3) of the Adhiniyam]

1. The Academic Council shall consist of the following members:

- (i) Vice-Chancellor .. **Chairman**
- (ii) Deans of Faculty of the University
- (iii) Professors of the University
- (iv) Chairman, Board of Studies
- (v) Five Teachers of Centers, nominated by the Vice-Chancellor in rotation by seniority
- (vi) Two Lecturers of the University, nominated by the Vice-Chancellor in rotation by seniority
- (vii) Registrar .. **Secretary**

One third of total members of academic council shall form the quorum. Provided that no quorum shall be necessary for adjourned meetings.

1.2 The academic council shall have the power to co-opt as members, persons having special knowledge or experience in the subject matter of any particular business, which may be come before the council for consideration. The member so co-opted shall have all the rights of the members of the council.

1.3 All the members of the Academic Council other than the ex-officio members and members referred in sub-para 1.2 shall hold the office for a term of three years.

2. The Academic Council shall have the following powers and perform the following duties.

2.1 To exercise general supervision over the academic policies of the University and to provide directions for methods of instructions, cooperative teaching for the improvement of academic standards;

2.2 To consider matters of general academic interest and to take appropriate action in this regard;

2.3 To assign departments to the faculties and to nominate its own members to be faculties.

- 2.4 To make proposals for the institutions of fellowships, scholarships, studentships, exhibitions, medals and prizes and to make rules for their award;
- 2.5 To consider the proposals for granting affiliations for the colleges of the University and the establishment of University Study Centers/University Teaching Centres as prescribed in the act of statute.
- 2.6 To prescribe qualification for recognition of persons as teachers of the University and to accord such recognition.
- 2.7 To make arrangements for the conduct of examination and arrange for the publication of the results.
- 2.8 To prescribe the qualifications for the award of certificates, diplomas and degree.
- 2.9 To recognize eminent persons of any subject as honorary professors and to guide research in that subject.
3. The Academic Council may appoint a standing Committee consisting of:
  - (i) Vice Chancellor .. President
  - (ii) Three Deans of Faculty in order of seniority by rotation to be nominated by the Chancellor
  - (iii) Registrar .. Secretary.
4. The Standing Committee shall have following powers and shall perform following duties:
  - 4.1 The meeting of the committee shall be convened under the direction of Vice-Chancellor.
  - 4.2 It shall render advice on the equivalence of examinations in consultation with the Faculty concerned.
  - 4.3 It can dispose of any matter of academic council and report it at the next meeting of Academic Council.
  - 4.4 The Standing Committee may invite such persons who can render fruitful advice to the matter under consideration.

**STATUTE No.15****Establishment of Study Centers and Regional Centers of the University**  
[Section 3(7) of the Adhiniyam]

1. The University shall establish or maintain or recognize Study Centers at different locations as defined in Section 3(7) of the Adhiniyam.
2. The University Study Center shall be established, maintained or, recognized by the Board of Management on the recommendation of an Inspection Committee to be appointed by the Board of Management consisting of experts on the subject for the courses run by the University.
3. The University Study Center shall have academic infrastructure, laboratory, library, teaching staff and all such other facilities as may be required for imparting education in the course of studies/subjects concerned.
4. The University Study Center shall collect the fees from each student for the course of studies for which the student is registered with the University as may be prescribed by the Board of Management from time to time.
5. The University examination of the candidates studying at the University Study Center shall be held at a place decided by the University.
6. The University may establish/maintain Regional Centers as may be required for the purpose of coordinating and supervising the work of Study Centers in any region and for performing such other functions as may be conferred on such center by the Board of Management.

**STATUTE No.16****Setting Up of Campuses, Admission/Affiliation of Colleges to the Privilege of the University**

[Section 6(2) of the Adhiniyam]

1. The University may set up campuses in other parts of the country and abroad on the recommendation of the Governing Body.
2. The University may admit/affiliate colleges to the privileges of the University on the recommendation of the Academic Council.
3. The affiliation will be granted by the Board of Management to such Institutions/Colleges which are providing regular courses of studies for the courses in the faculties of the University with due permission of the State Government of Chhattisgarh and prior permission of such other statutory bodies, whose permission may be required to run such courses of studies, viz. AICTE, NCTE, INC, MCI, DCI, PCI, ICAFRA, etc.
4. The Institutions/Colleges shall be granted affiliation only after an inspection by a Committee appointed by the University.
5. The Institutions/Affiliated Colleges shall have staff, laboratories and the facilities as are required for running the course of studies and shall abide by the conditions as may be laid down by the Board of Management from time to time.
6. The teachers of the affiliated Institutions/Colleges shall have the same qualifications and pay scales prescribed by the UGC and as are applicable to the Government Colleges and as may be approved from time to time by the Board of Management of the University.
7. The Affiliated Colleges shall follow the code laid down by the Board of Management of the University.
8. The Institutions/Colleges for the first year for 3/5 (3+2) years degree course or first year (previous) of a P.G. course as temporary affiliation and the College shall be required to apply afresh for affiliation to second year and third year for the course of study as the course may required.
9. The Institutions/Colleges affiliated to the University shall abide by the "College Code" which may be prescribed by a Statute to be Incorporated by the Board of Management and the Governing Body.

रायपुर, दिनांक 21 नवम्बर 2003

क्रमांक एफ-73/198/2003/उ. शि./38.—राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत "स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड टेक्नॉलॉजी" रायपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है, तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 30 प्रथम संविधियां अनुमोदित करता है.

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होंगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

### STATUTE NO. 1

#### **Power of The Chancellor** (Section 14(4) (d) of the Adhiniyam)

The Chancellor shall have the following powers as listed in Section 14(4) (a) to (d) of the Adhiniyam :

- 1) To call for any information or record;
- 2) To appoint the Vice-Chancellor
- 3) To remove the Vice-Chancellor

In addition, the Chancellor shall also have the following powers :

- 1) To constitute such committees as he deems necessary to help him in discharge of duties entrusted to him by or under the Adhiniyam.
- 2) To appoint the Registrar
- 3) To remove the Registrar
- 4) To appoint the Chief Finance and Accounts Officer
- 5) To remove the Chief Finance and Accounts Officer

**STATUTE NO. 2****Terms and Conditions of Appointment of Vice-Chancellor  
his powers and duties**

(Section 25(1) (b) read with Section 15(1) of the Adhiniyam)

1. The Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor from a panel of three persons recommended by the Governing Body for a term of four years and shall not be eligible for reappointment for more than two terms.

Provided that he shall cease to hold the office on attaining the age of 70 years.

Provided further that notwithstanding the expiry of his term he shall continue to hold office until his successor is appointed and enters the office but this period shall not in any case exceed six months.

2. The Vice-Chancellor shall be whole time salaried officer of the University. He shall receive salary recommended by University Grants Commission and approved by the State Government from time to time plus other allowances admitted by the Governing body from time to time or as mutually agreed by the Vice-Chancellor and the Trust.
3. During the tenure of office the Vice-Chancellor shall be entitled to have a rent free furnished accommodation maintained by the University.
4. The Vice-Chancellor shall be entitled to use a University vehicle for official purposes. He shall pay such amount for use of the vehicle as may be prescribed by the Government for its vehicles for use by Government offices on monthly basis. The Vice-Chancellor shall also be eligible to use the University vehicle for private purposes and for such journeys he will be liable to pay such charges as are prescribed by Government for private use of Government vehicle for officers on the basis of kilometers involved in private use.
5. The Vice-Chancellor shall be entitled to other benefits such as medical allowance and leave travel concessions as admissible to other University employees.
6. The Vice-Chancellor shall be entitled to travelling allowance from place of his residence on his appointment as Vice-Chancellor and after relinquishment of his charge.
7. The Vice-Chancellor shall have power to constitute such committees as he deems necessary to help him in the discharge of the duties entrusted to him by or under the Adhiniyam.

8. The Vice-Chancellor shall have power to sanction an allowance to any employee of the University for any special duty assigned to such employee for additional duties performed by him which in the opinion of Vice-Chancellor warrants such payment.

Provided that such allowance shall not exceed 20% of the basic salary of such employee.

Provided also that the period of such allowances shall not exceed six months.

Provided further that any action taken under this clause of Statute shall be reported to Board of Management at its next meeting.

9. The Vice Chancellor shall exercise such other powers as may be given to him/her by the chancellor and the Governing Body from time to time.
10. Subject to the control of Chancellor and the Governing Body, the Vice Chancellor shall exercise such financial powers as laid down in the financial regulations approved by the Governing Body.

**STATUTE NO. 3****Terms and conditions of Appointment of Registrar  
his duties and powers**

(Section 25(a) read with section 16(1) of the Adhiniyam)

1. The Registrar shall receive salary in the pay scale prescribed by University Grants Commission and admitted by the Governing Body from time to time or as mutually agreed by the Registrar and the Governing Body. He shall draw allowance admitted by Governing Body from time to time.
2. No person shall be eligible for appointment as Registrar unless he/she possesses the minimum qualification as applicable for the post and as determined by the Governing Body from time to time.
3. The Registrar shall be a full time salaried officer of the University.
4. The Registrar shall be entitled to leave, leave salary allowances and other benefits as may be prescribed by the University for its employees.

The Registrar shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the Committee of selection appointed by the Governing Body for a term of 4 years.

Provided also that he/she shall cease to hold the office on attaining the age of 65 or as prescribed by the Governing Body from time to time.

**5. Duties and Powers of the Registrar****A. Duties - It shall be the duty of the Registrar :-**

- i) To be custodian of the records, the common seal and such other property of the University, as the Governing Body shall commit to his charge.
- ii) To issue all notice for conveying the meetings of the Governing Body, The Board of Management, the Academic Council and other Authorities, Bodies and Committees declared by the Statutes and Authority of the University. He shall act as Secretary of all these Authorities, Bodies and Committees.
- iii) To keep minutes, of all the meetings of all the Authorities, Bodies and Committees and shall execute the decision taken by them.
- iv) To conduct all official correspondence of the University.



- v) To arrange for and superintend the examinations of the University
- vi) To send to the Visitor and Chancellor.
  - a) Copies of the agenda of the meeting of Governing Body, Board of Management and Academic council as soon as such agenda is issued.
  - b) The minutes of the meeting of the authorities mentioned in 6A (vi) (a) above.
  - c) Such other papers and informations as the Visitor and Chancellor may direct him to supply.
- vii) To collect the income, donations etc. and disburse the payment and maintain the accounts of the University through the Chief Finance and Accounts Officer of the University and to see that all money are utilized for the purpose they are collected/granted/donated.
- viii) To exercise all such powers as may be necessary or expedient to carry out the orders of the Kuladhipati, Vice Chancellor and the Governing Body of the University and various authorities, bodies and committees.
- ix) To discharge such other functions as may be assigned to him from time to time by the Chancellor, the Governing Body and Vice-Chancellor.
- x) To perform such other duties as may from time to time, be entrusted to him by the Statutes, Ordinances, Regulations and Resolutions of Authorities; and
- xi) To render such assistance as may be desired by the Chancellor and Vice Chancellor in the performance of his official duties.

**B. Powers of the Registrar.**

- i) Subject to the control of Governing Body the Registrar shall have powers to appoint class III and IV employees of the University and shall exercise disciplinary control over them.
- ii) The registrar shall explain the agenda if desired by the Chairman of any Authority, body or Committee, speak at its meeting.
- iii) Subject to the control of Governing Body and the Vice - Chancellor the Registrar shall have financial powers including the borrowing of loans for the University and execution of the contracts on behalf of the University.

**STATUTE NO. 4****Appointment of Deans of the faculty**  
(Section 12(6) of the Adhiniyam)

1. There shall be a Dean of each faculty in which the University is imparting education.
2. The Dean shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of Vice Chancellor from amongst the Professors of the University Teaching Department in the subject order of seniority by rotation. Provided that if there is no professor in the University Teaching Department in the subject assigned to the faculty then a Professor of a Centre/Institution teaching the subject may be appointment as Dean in order of Seniority by the rotation in the same manner as recommended above. Provided further that if there is no Professor in the University Teaching Department and Centre/Institution in the subject assigned to the faculty then a Reader of University Teaching Department, Centre/Institution shall be appointed as Dean in order of Seniority by rotation.

Provided also that is no Readers are available, the Chancellor may appoint a Dean of any other Faculty to act as the Dean of Faculty.

3. The term of Dean shall be for a period of two years from the date of appointment.
4. The Dean shall preside over the meeting of faculty and shall give opinion on the recognition of courses as and when referred as the courses of other Universities recognized by the Association of Indian University (AIU)
5. The Dean shall perform such other duties as may be assigned to him from time to time by the Board of Management and Academic Council.

**STATUTE NO. 5****Terms and Conditions of Appointment of Chief Finance and Accounts Officer  
his duties and powers**

(Section 25\*1(c) read with section 17 (1) of the Adhiniyam

1. The Chief Finance and Accounts Officer shall receive salary in the pay scale prescribed by the State Government for University Finance Officer/Deputy registrar plus allowances admitted by the Governing Body from time to time.
2. No person shall be eligible for appointment as Chief Finance and Accounts Officer unless he/she possesses the qualification laid down by the Governing Body for the post from time to time.
3. The Chief Finance and Accounts Officer shall be entitled to leave, leave salary, allowances, and other benefits as may be prescribed by the University for its employees.
4. The Chief Finance and Accounts Officer shall be full time salaries officer of the University.
5. The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the Governing Body on the recommendation of the Committee of Selection appointed by the Governing Body for a term of 5 years from amongst the applicants responding to the advertisement of the University made for the purpose in All India Daily.

Provided that the Committee of Selection shall have the power to recommend the name of a suitable person who has not applied.

Provided also that he/she shall cease to hold the office on attaining the age of 65 or as decided by the Governing Body from time to time.

## 6. Duties and Powers

- i) Subject to the control of vice - Chancellor or registrar as the Governing Body may decide it shall be the duty of the Chief Finance and Accounts Officer :-
  - a) To hold and manage the property and investments of the University including trusts and endowed property.
  - b) To ensure that the limits to fixed by the Board of Management for recurring and non-recurring expenditure for the year are not exceeded and that all monies are spent for the purpose for which they are granted or allocated.
  - c) To keep constant watch on the State of Cash and Bank balances and on the state of investments.
- ii) Subject to the control of the Registrar, the Chief Finance and Accounts Officer shall -
  - a) Collect the income, disburse the payments and maintain the accounts of the University;
  - b) Be responsible for the preparation of annual accounts and budget of the University.
  - c) Have the accounts of the University regularly audited.
  - d) Ensure that the registers of buildings, land, furniture, equipments, vehicles, etc. are maintained upto date and the stock checking is conducted in all offices and institutions maintained by the University.
  - e) Suggest appropriate action against persons responsible for unauthorised expenditure and for other financial irregularities..
- iii) The Chief Finance and Accounts Officer shall have the power to call from any office of institution of the University and information or returns that he may consider necessary for due performance of his duties.

**STATUTE NO. 6****Other Officers of the University****(Section 12(6) of the Adhiniyam)**

1. In addition to the Officers mentioned in section 12(1) to (5) of the Adhiniyam and other Statutes of the University following shall be the officers of the University.
  - i) Director
  - ii) University Librarian
  - iii) Director Physical Education
  - iv) Deputy Registrar
  - v) University Engineer/Estate Officer
  - vi) Assistant Registrars.
2. The University may have one or more posts of any category mentioned above as per needs and approval by the Governing Body.
3. The Qualifications/eligibility for each officer shall be determined by the Governing Body.
4. These officers shall be whole time salaried officers of the University.
5. The Officers shall draw salary as recommended by the University Grants Commission.
6. The Governing Body shall prescribe the qualifications and eligibility conditions for each category of officers and shall appoint committees for selection.
7. No person shall be appointed to these posts unless they possess the qualifications laid down for the post by the State Government / UGC and approved by Governing Body.

**STATUTE NO. 7****Terms and conditions of Appointment of Other Officer  
(Section 25(1) (d) of the Adhiniyam)**

1. The Governing Body shall appoint a Committee of Selection which shall interview the candidates and prepare a panel of suitable candidates in order of merit.
2. The Governing Body shall make the appointment from the panel given by Commission of Selection.
3. The offer appointed shall execute an agreement and follow the rules and regulations of the University.
4. The officers shall be entitled to the leave, allowances and other benefits prescribed by the University for its employees from time to time.
5. The powers and duties of the Officers shall be such as the Governing Body may determine from time to time.

**STATUTE NO. 8****Conditions of service of University Employees  
(Section 25(1) (e) of the Adhimiyam)****Part 1 Definition and Applicability**

1. Save as otherwise provided in the Adhiniyam and Statutes the provisions of this Statute shall apply to all the Employees of the University appointed and paid by the University except for those whose services are taken on deputation from Centre/State Government/Body Corporate.
2. In this Statute
  - a "Pay" means the amount of monthly basic salary of the employees and shall not include any special or additional pay granted to him and any other emoluments which he draws as allowances and largesses.
  - B "Average Pay" means the average monthly pay earned during the ten complete months immediately proceeding the months in which the employee proceeds on leave or in suspended.
  - c. "Vacation post" means a post involving teaching duties when employees are entitled to winter and summer vacations.

**Part 2 Classification of post, appointment, terms and conditions.**

3. The post in the University shall belong to the class and shall carry the scales of pay as given in appendix.
  - a. The Governing Body shall have the power to appoint the teachers and the officers of the University paid by the University.
  - b. Subject to the control of Vice-Chancellor the Registrar shall have the power to appoint class III, Class IV work charge and contingency paid staff of the University.
  - c. Save as otherwise provided in Statutes and the Ordinances the qualifications of the post in various categories shall be determined by the Governing Body from time to time.
  - d. The channel of promotion and percentages of the post to be filled by promotion shall be prescribed by the Governing Body from time to time. All promotions shall be made on the basis of seniority cum merit and performance appraisals.

4. Temporary appointment may be made to a temporary post or in leave vacancy in respect of permanent post.
5. The whole time University employee shall be at the disposal of University and he may be assigned duties in any manner required by the proper authority without claim of Additional remuneration.
6. The Board of Management may permit a University employee to perform a specified service for a private person body or Government and to receive remuneration thereof in form of fee, if it is satisfied that this can be done without detriment of his official duties or responsibilities.

Provided that half the amount of fees so received shall be credited to fund of the University.

6. The Head of the Branch, Department, Institute under whom the employee is working shall send to Registrar in form prescribed by the University, a confidential report, every year not later than 30<sup>th</sup> April, on the work and conduct of the employee during the preceding year ending on 31<sup>st</sup> March.
7. The Confidential report and the opinion stating the employee fitness or otherwise for confirmation in service must be sent to the Registrar by the head of Branch or Department or Institute, where the probationer is working at least one month before the date of expiry of the probation.
8. A temporary appointment may be terminated by either party without assigning any reason by giving to other one month's notice or one month's salary in lieu thereof. No such notice of payment of salary shall be necessary in case of termination of service or work charge or contingency paid employee.
9.
  - a) If the appointing authority is not satisfied that with and/or conduct of the employee on probation his services may be terminated. In case of termination of the service of the employee on probation, one month's notice shall be given to him or in lieu of notice, he will be paid one month's salary. The probationer may also terminate the engagement by giving one month's notice or one month's salary.
  - b) If the probationer was appointed by promotion and his work and conduct is not satisfactory the appointing authority may revert him to the post held by him before such promotion and such reversion shall not be deemed to be a penalty.
  - c) Every person appointed to permanent post under University by promotion or direct recruitment shall on satisfactory completion of his period of probation shall be eligible for confirmation in the post.



10. On confirmation on a permanent post, a University employee acquires a lien on the post. A University employee holding a permanent post substantively, if appointed substantively to another post, acquired a lien on second post and ceases to hold any lien on the first one.
11. A permanent employee shall be required to give 3 months notice in case he wished to resign or he shall pay to University 3 months salary in lieu of such notice. If the University terminated the services of a permanent employee a notice to that effect shall be served to him, 3 months before the date on which he is to be relieved. In the absence of such notice the University shall pay him 3 months salary. Such notice shall not be necessary if the employees is removed from the service, dismissed or compulsorily retires.
12. Before leaving the University service an employee, whether appointed temporarily or on probation or permanently shall hand over the charge of his post to the employee duly authorised to receive charge and shall return to the University all articles entrusted to him for his use and clear all dues outstanding against him.
13. University employee shall be entitled to leave as per the leave rules framed by Board of Management and approved by the Governing Body.

**Part -3 Suspension, Penalty and Disciplinary Authority :**

14. The appointing authority may by an order place an employees, under  
(1) suspension.
  - a) When disciplinary proceeding against him is contemplated or is pending or
  - b) On confirmation of a prime facie case against an employee on the charges of financial irregularities and/or unethical activities detrimental to the interest of the University  
OR
  - c) Where as case against him in respect of any criminal offence is under investigation, inquiry or trial.
2. An employee shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the appointing authority.
  - a) With effect from the date of his detention, if in the detailed in custody, whether on a criminal charge or otherwise for a period exceeding 48 hours.
  - b) With effect from the date of his conviction, if he is event of a conviction for an offence, he is sentenced to imprisonment and if not forthwith dismissed or removed or compulsorily retired consequent to such conviction.

3. An order of suspension made or deemed to have been made shall continue to remain in force until it is modified or revoked by the appointing authority.
15. The services of a university employee may be terminated on any of the following grounds -
- (a) . . . . . ful neglect of the duty
  - (b) Misconduct / indiscipline
  - (c) Physical and mental unfitness
  - (d) On the abolition of post held by him.
  - (e) Conviction by a court of law for an offence involving moral turpitude.
16. (1) The appointing authority may for good and sufficient reasons, impose on an employee the following penalties.
- (a) Censure
  - (b) Recovery from his pay, whole or part of any pecuniary loss caused to the university by negligence or breach of order by the employee.
  - (c) With holding the increments of pay
  - (d) Reduction to lower time scale of pay, grade or post
  - (e) Compulsory retirement
  - (f) Removal from service
  - (g) Dismissal from service.

Besides the above penalties, reasonable fine may be imposed on class IV employee for petty carelessness, unpunctuality etc.

(2) The appointing authority may institute the disciplinary proceeding against the employee in accordance with the procedure laid down by the Governing Body.

17. Where the penalty is imposed by the Registrar the employee may prefer an appeal to Vice-Chancellor within thirty days from the date on which order is served on the employee.

#### Part 4 - Miscellaneous

18. Every employee shall at all times
- (a) Maintain absolute integrity
  - (b) Show devotion to duty; and
  - (c) Do nothing which is unbecoming of an employee of the University.

19. No employee shall join or continue to be member of such association the objects and activities of which are prejudicial to the interest of the University or public order, decency or morality.
20. No employee shall -
  - i) Participate in Public protests/Dharana/Hartal/demonstration prejudicial to the interest of the University.
  - ii) Resort to any violence.
  - iii) Participate in editing, management of any print or electronics media without prior sanction of the University.
  - iv) Divulge in any matter of the University and where other than the competent authority.
  - v) Take any employment elsewhere either full time or part time without prior sanction from the University.
21. Any infringement of para 19 to 21 of this Statute shall be regard as subversive of good discipline and misconduct and will justify the initiation of disciplinary action against such employee.
22. The employees shall have a contributory provident fund as prescribed in the contributory provident fund act as amended from time to time.
24. The scales of pay of different categories of employees shall be such as may be prescribed by the UGC and approved by the State Government applicable to the employees of the University established by the State Government.

**STATUTE NO. 9****Arbitration to resolve Disputes**  
(Section 25(I) (f) of the Adhiniyam)

1. In the event of dispute arising between the employee and the employer, on the request of the employees the Vice-Chancellor shall appoint an Arbitrator not below the rank of District and Session - Judge who shall listen to both the parties and pronounce his award.
2. The Board of Management shall consider the award and act as per directions of the Arbitrator to resolve the Dispute.
3. If either of the parties i.e. employee or the employer is not satisfied with the award they can approach the Chancellor to appoint a tribunal.
4. The tribunal shall consist of following members
  - i) A nominee of the Chancellor not connected with the university who will act as the Chairman.
  - ii) The nominee of the aggrieved employee and
  - iii) A nominee of the Board of Management.

Provided that the aggrieved party shall approach the Chancellor within 30 days of the receipt of the award.

5. The decision taken by the tribunal shall be binding on both the parties.
6. The disputes regarding constitutions of authorities/bodies or nomination of any member in the authorities/bodies provided for by or under the act/Statute/ ordinance shall be decided by the Chancellor in the manner he deems fit and his decision shall be final.

**STATUTE NO. 10****Honorary Degree**  
(Section 25(1) (g) of the Adhiniyam)

1. A proposal for conferment of Honorary degree shall be made by Academic Council.
2. The proposal shall be placed before a Committee consisting of the Vice-Chancellor, one eminent educationist not connected with the University and one educationist nominated by the Visitor.
3. If the Committee unanimously recommends that a honorary degree be conferred on the person on the ground that he is in its opinion a fit and a proper person to receive such degree, its recommendation shall be placed before Governing Body and the report of which shall be sent to the Visitor.
4. The honorary degree shall be conferred on the person either at a regular convocation as prescribed in the regulations to be made by the Board of Management or at a special convocation to be held for the purpose as may be decided by the Governing Body.

**STATUTE NO. 11****Exemption from tuition fee and Award of Scholarship  
(Section 25(1) (h) of the Adhiniyam)**

1. The assistance obtained from the Central Government, State Government or any other authority, funding agency etc. towards meeting full or in part any amount towards fee otherwise payable by students belonging to socially disadvantages or economically weaker sections shall be disbursed strictly as per directions of the authorities providing such assistance.
2. It shall be the duty of the Registrar and the Chief Finance and Accounts Officer of the University to ensure that the students get the stipend exactly as per the directions of the funding agency.
3. The University will also make provisions for the award of fellowships, scholarships and stipends from its own sources. The terms and conditions of the award shall be laid down in the ordinance made under section 27(1) (d) of the Adhiniyam.

**STATUTE NO. 12****Policy of Admission including Reservation of seats  
(Section 25(1) (I) of the Adhiniyam)**

1. The admission to various courses shall be made exactly in order of merit made on the basis of the marks obtained at the qualifying examination.

Provided that in the courses the University decides to admit the students on the basis of the entrance test held either by the University or by any body/agency on behalf of the University the admission shall be granted on the basis of merit secured at the entrance examination.

2. The reservation of seats at each institution/center in each course of study shall be as per rules framed for the reservation of seats for SC/ST/OBC and other categories by the Government of Chhattisgarh from time to time and applicable on the University.

Provided that if seat of any reserve category remains vacant due to non-availability of the eligible candidates in that category it shall be filled up in the following order.

**SC & ST > OBC > OTHERS > GENERAL**

Provided also that the candidates admitted under reserved category shall be required to pay the fees as decided by the University for course and that the paid vacant seats must be filled before the start of the Academic session.

3. The Chancellor shall have the power to grant at least one admission to each course subject to a maximum of 2% of the total seats available in that course.

Provided that the admission shall be accorded only to those candidates who are eligible to be admitted to that course.

**STATUTE NO. 13****Provisions Regarding Fee to be charged from the students  
(Section 25(1) (j) of the Adhiniyam)**

1. The fee for each course of study shall be calculated for each student on the basis of total expenditure on the course and the seats earmarked for the course. This fee shall be charged as course fee (tuition and laboratory fee) per semester or per annual basis.
2. Each student shall also be charged the enrolment fee, Development fee, examination fee, etc. as provided in regulations.



**STATUTE NO. 14****Provisions Regarding Number of Seats in Each Course  
(Section 25(1) (k) of the Adhiniyam)**

1. In each post graduate course the maximum number of students admitted shall be 30 per section at the University teaching department and its different centers. The University shall, however, decide the number of students to be admitted at a center on evaluating its infrastructure facilities and strength of faculties. In no case the number shall exceed 30 per section for a particular course at the particular center.

2. At the graduate degree level each section of the class shall have a maximum strength of 60 students.

The number of sections which can be allowed at a particular center shall be adjudged on the basis of the infrastructural facilities available at the center and the faculty strength.

3. The Academic Council shall lay down the norms having details regarding the infrastructural facilities and required strength for each course and place it before the Board of Management on being approved by it, it shall be strictly followed for deciding the seats in each course at each center.

**STATUTE NO. 15****Academic Council**  
(Section 19(1) (3) of the Adhiniyam)

1. (a) The Academic Council shall consist of the following members
    - (i) Vice - Chancellor - Chairman
    - (ii) Deans of faculties of the Universities
    - (iii) Chairman Board of Studies
    - (iv) Professors of the University
    - (v) Five Teachers of centres nominated by the Vice Chancellor in rotation by seniority.
    - (vi) To lectures of the University nominated by the Vice Chancellor in rotation by Seniority.
    - (vii) Registrar - Secretary
  - (b) One third of total members of Academic Council shall form the quorum
- Provided that no quorum shall be necessary for adjourned meetings.
- (c) The academic council shall have the power to co-opt as members persons having special knowledge or experience in the subject matter of any particular business which may come before the council for consideration. The member so coopted shall have all the rights of the members of the council.
  - (d) All the members of the Academic Council other than ex-officio members and members referred in sub-para (c) shall hold the office for a term of three years.
2. The Academic Council shall have following powers and perform following duties :-
    - i) To exercise general supervision over the academic policies of the Universities and to provide directions for methods of instructions, cooperative teaching for the improvement of academic standards.
    - ii) To consider matters of genera academic interest and to take appropriate action in this regard.

- (iii) To assign departments to the faculties and to nominate its own members to the faculties.
  - (iv) To make proposals for the institutions of fellowships, scholarships, studentships, exhibitions, medals and prizes and to make rules for their award.
  - (v) To consider the proposals for granting affiliations for the colleges of the University and for establishment of University Study Centres/University Teaching Centres as prescribed in the act and Statute.
  - (vi) To prescribe qualifications for recognition of persons as teachers of the University and to accord such recognition.
  - (vii) To make arrangements for the conduct of examination and arrange for the publication of the results.
  - (viii) To prescribe the qualifications for the award of certificates, Diplomas and Degree.
  - (ix) To recognize eminent persons of any subject as Honorary Professor and to guide research in that subject.
3. The Academic Council may appoint a standing Committee consisting of
- (i) Vice Chancellor - Chairman
  - (ii) 3 Deans of faculties in order of seniority by rotation to be nominated by the Chancellor
  - (iii) Registrar - Secretary.
4. The "Standing Committee" shall have following powers and shall perform following duties.
- (i) The meeting of the Committee shall be convened under the direction of Vice-Chancellor
  - (ii) It shall render advice on the equivalence of examinations in consultation with the faculty concerned.
  - (iii) It can dispose off any matter of academic council and report it at the next meeting of Academic Council.
  - (iv) Standing Committee may invite such persons who can render fruitful advice the matter under consideration.

**STATUTE NO. 16****Establishment of Study Centres of the University  
(Section 3 (7) of the Adhiniyam)**

1. The University shall establish University Study Center as defined in Section 3(7) of the Adhiniyam
2. The University Study Center shall be established by the Board of Management on the recommendation of a inspection committee to be appointed by the Board of Management consisting of experts in the subject for the courses run by the University.
3. The University Study Center shall have academic infrastructure, laboratory, library, teaching staff and all such other facilities may be required for imparting education in the course of studies/subjects concerned.
4. The University Study Center shall collect the fee from each student for the course of studies for which the student is registered with the University from time to time.
5. The University examination of the candidates studying at the University Study Center shall be held at the place decided by the University.

**STATUTE NO. 17****Admission of College to the privilege of the University/Affiliation  
(Section 6(2) of the Adhiniyam)**

1. The University may admit/affiliate colleges to the privileges of the University on the recommendation of the Academic Council.
2. The affiliation will be granted by the Board of Management to such Institutions/ Colleges which are providing regular course of studies for the courses in the faculties of the University with due permission of the State Government of Chhattisgarh and prior permission of such other statutory bodies of which permission is required to run such courses of studies viz. AICTE, NCTE, INC, MCI, DCI, PCI and ICAFRA etc.
3. The Institutions/Colleges shall be granted affiliation only after an inspection by a committee appointed by the University.
4. The Institutions/Affiliated Colleges shall have staff laboratory and the facilities as are required for running the course of studies and shall abide by the conditions as may be laid down the Board of Management from time to time.
5. The teachers of the affiliated Institutions/Colleges shall have the same qualification and pay scale prescribed by the UGC and as is applicable to the Government Colleges and as may be approved from time to time by Board of Management of the University.
6. The affiliated colleges shall follow the code laid down by the Board of Management of the University.
7. The Institutions/Colleges for the 1st year for 3/5 (3 + 2) years degree course or for 1st (previous) of a P.G. Course as temporary affiliation and the college shall be required to apply a fresh for affiliation to II year and III year for the course of study as the course may required.
8. The Institutions/Colleges affiliated to the University shall abide by the "College Code" which may be prescribed to be framed by the Board of Management and Governing Body.

रायपुर, दिनांक 22 नवम्बर 2003

क्रमांक एफ 73-54/2003/उ. शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (3) के अधीन मैट्र्स यूनिवर्सिटी रायपुर के कुलपति द्वारा धारा 27 की उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत अध्यादेशों को सहमति प्रदान करती है तथा छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (4) द्वारा दस (10) "प्रथम अध्यादेशों" को अनुमोदित करती है.

यह अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन के दिनांक से प्रवृत्त होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

### ORDINANCE NO. 1

#### Admission of Students of the University and their enrolment (Section 27 (1) (a) of the Adhiniyam)

1. In this Ordinance unless there is anything contrary to Statute and the Adhiniyam

- (a) "Qualifying examination" means an examination the passing of which makes students eligible for admission to a particular course of study leading to a Bachelors, Masters, M.Phil, Doctorate Degrees or Diplomas Certificates conferrable by the University.
- (b) 'Compartment' or 'Supplementary' means a result in which a student has been declared 'failed' in ONE subject by the concerned examining body i.e. a recognized Board of Secondary Education e.g. CBSE, ICSE, State Board of Secondary Education, etc. Such a student may be declared pass if he/she secures required percentage of marks in the examination held subsequently by the same examining body and declared Pass.
- (c) "Equivalent examination" means an examination conducted by
  - (i) Any recognized Board of Secondary Education or
  - (ii) Any Indian or Foreign University or awarding body recognized by this University.
- (d) 'Gap period' means the period between the last date of attending the educational institution (excluding coaching institutes) and the date of taking the admission in the University.

- 2. The student seeking admission to the Pass/Hons. Degree / Diploma courses of the University or schools / colleges institutes recognized and / or affiliated to the University and the Study Centres shall submit the application on prescribed form on or before last date of submission of such form, along with necessary certificates.
- 3. The Admission Committee will screen the applications and eligible candidates will be awarded provisional admission. An entrance test for admission may be prescribed for certain courses by the Academic Council.
- 4. Admission will be offered twice in an academic year viz. (Autumn session) and (Spring session) or as prescribed by the Academic Council.

5. The student shall within a month of his admission submit certified copies of (i) Character Certificate from the Principal of the School / College Last Attended (ii) Evidence of the Date of Birth (iii) Statement of Marks of the Qualifying Examinations (iv) Medical Certificate of Physical Fitness (v) Transfer Certificate, wherever applicable. The admission is subject to the submission of these certified documents. If any of these are found to be forged, tempered or false, the student's admission will automatically stand cancelled.
6. A student who has passed a part of any degree or diploma from another University/awarding body shall be admitted to subsequent higher class for such examination in any institution / center after its equivalence has been determined by the Academic Council.
7. A student with 'Compartment / Supplementary' result may be granted 'Provisional' admission to any of the courses of study to which he/she would have otherwise normally been admitted if he / she had secured clear Pass grades.
8. A student who wishes to be admitted after a gap period of one year and more shall along with his application for admission submit an affidavit duly Notarized, justifying the reasons of gap period and certifying that he / she had not taken admission in any College and had not been rusticated or had not been sentenced to Jail for a criminal offence.
9. A person who is under sentence of rustication or has been disqualified from appearing in an examination by any other University / Institution will not be admitted to any course of study in this University and its institutions / centers during the period of rustication or disqualification.
10. The admission of the students shall be completed within a month of commencement of each semester every year or the date decided by the Academic Council.  
  
Provided that where the dates specified or the dates decided by the Academic Council as the last date of admission happens to be a holiday, the next working day will be the last day of admission.  
  
Provided further that the Vice - Chancellor shall have the powers to grant admission in cases of genuine hardship beyond the last date of admission as given above on the clear understanding that the attendance of all such students shall be counted from the date of commencement of the course.
11. The student shall get automatically enrolled as a member of the University as soon as he / she is admitted and pays all the dues together with the prescribed fee for enrolment and submits migration certificate, wherever required.

**ORDINANCE NO.2****Courses of study to be laid for all degrees, diplomas and certificates  
(Section 27 (1) (b) of the Adhiniyam)**

1. There shall be a 'Board of Study' for every course or group of courses as decided by the Academic Council.
2. (1) Each Board shall consist of the following members nominated by the Vice Chancellor
  - (i) Professor(s) of the University Schools / Colleges / Study Centres of the specified subject or group of subjects.
  - (ii) One Associate Professor of the University School / College / Study Centres of the specified subject or group of subjects.
  - (iii) Any two teachers teaching the said subject(s) at the Study / Academic Centres of the University/  
Provided that if the Board is constituted for a group of subjects, adequate care shall be taken to nominate members under Para 2 (ii) and 2 (iii) above such that all the subjects of the group get represented.
  - (iv) The Board may co-opt two experts of the subject from outside the University. In case the board is constituted for a group of subjects, the board may co-opt one expert for each subject that the number of co-opted members equals the number of subjects for which the board is constituted.
- (2) The Chairman of the Board shall be nominated by the Vice-Chancellor from among the Professor(s) of the University Schools / Colleges of the specific subject or the group of subjects.  
  
Provided that if there is no member under clause 2(1) (i), the Chairman may be nominated from among the members of clause 2(1) (ii) and if no member exists even under this clause, the Chairman shall be nominated from among the members under clause 2(1) (iii) above.
- (3) The term of the Board shall be two years
3. Each Board shall lay down the detailed curriculum for the subject leading to the award of the certificates, diplomas and degrees.
4. The curriculum shall be forward looking, student centric and shall be so framed that it clearly lays down the 'learning outcomes', which every student must attain. It shall focus on imparting not only the knowledge and concepts but skills and competences too. Academic oriented exercises and live projects shall constitute the syllabus.
5. It shall identify the Text / References Books, Journals, websites, CD-ROMS, Case History, etc. which will enhance the learning standards of the student.
6. The Academic Council shall lay down the subjects that a student shall study leading to the award of certificates, diplomas and degrees by the University.



**ORDINANCE NO.3****The Award of Degrees, Diplomas, Certificates and Other Academic Distinctions  
(Section 27 (1) (b) of the Adhiniyam)**

1. The candidate after passing the examination prescribed for a particular certificate, diploma or degree shall become eligible for the award of said certificate, diploma or degree respectively, as the case may be.
2. The Registrar shall place the names of all the successful candidates for the award of certificate, diploma or degree before the Academic Council soon after the declaration of the results. On approval by the Academic Council, the Certificates and Diplomas shall be issued to the respective candidates by the registrar.
3. The Certificates and Diplomas shall be signed by the registrar.
4. The approval accorded by the Academic Council for the award of the respective degrees shall be placed before the Board of Management for its concurrence. On being concurred by the Board of Management, the degree shall be awarded to the successful candidates at a convocation.

Provided that if the candidate is in urgent need of the degree and the convocation is likely to be delayed, the degree may be given to him/her by the Vice-Chancellor on the payment of Rs. 1000/- or the fee as may be prescribed by the University from time to time.

5. Degrees / Diplomas requiring approval and permission of specific councils shall be awarded subject to approval by the related regulatory body.
6. The nomenclature of the Degree / Diploma that would be conferred by the University under different Colleges / Schools shall be as follows: -

**6.1 School of Social Sciences and Arts**

<b>Diploma Courses</b>		
1	Diploma in Business Communication	DBC
2	Diploma in Copywriting	DC
3	Diploma in Publishing	DP
4	Diploma in writing for Electronic Media	DEM
5	Diploma in Industrial Psychology	DIP
6	Diploma in Technical Writing	DTW

<b>Bachelor Programmes</b>		
1	Bachelors in Arts	B.A.
2	Bachelors in Arts Honours	B.A. (Hons.) Sub Specific
3	Bachelors in Applied Psychology	B.A. (Psychology)
4	Bachelors in Science	B.Sc.
5	Bachelors in Science Honours	B.Sc. (Hons.) Sub Specific
6	Bachelors in Education	B.Ed.
7	Bachelors in Creative Teaching	BCT
8	Bachelors in Library Science	B.Lib.

<b>Master Programmes</b>		
1	Masters in Arts	M.A. Subject Specific
2	Masters in Science	M.Sc. Subject Specific
3	Masters in Education	M.Ed. Subject Specific
4	Masters in Philosophy	M.Phil.
5	Masters in Library Science	M.Lib.
6	Doctor of Philosophy	Ph.D.
7	Doctor of Literature	D.Litt.

**6.2 School of Law and Public Policy****Diploma Courses**

1	Diploma in Administrative Law	DAL
2	Diploma in Business Law	DBL
3	Diploma in Labour Law	DLL
4	Diploma in Patent Law	DPL
5	Diploma in Human Rights	DHR
6	Diploma in Cyber Law & Ethics	DCE
7	Diploma in Environmental Law	DEL
8	Diploma in Intellectual Property Rights Law	DIP
9	Diploma in Corporate Law & Management	DCM

**Bachelor Programmes**

1	Bachelors in Law (integrated)	B.A. LLB. (5 Yrs)
2	Bachelors in Law	LL.B. (3 Yrs)
3	Bachelors in Public Policy	B.A. (PP)

**Master Programmes**

1	Masters in Law	LL.M
2	Masters in Public Policy and Governance	M.A. (PPG)
3	Masters in Business Law	M.A. (BL)
4	Doctor of Law	LL.D.
5	Doctor of Philosophy	Ph.D.

**6.3 School of Business Studies**

<b>Diploma Courses</b>		
1	Diploma in Finance	DF
2	Diploma in Retail Management	DRM
3	Diploma in Personnel Management	DPM
4	Diploma in Customer Relationship Management	DCRM
5	Diploma in Cost Accounting	DCA
6	Diploma in Call Center Management	DCM
7	Diploma in Marketing of Services	DMS
8	Diploma in Export Documentation	DED
9	Diploma in Capital Markets of Merchandise Banking	DCMB

<b>Bachelor Programmes</b>		
1	Bachelors in Commerce	B.Com.
2	Bachelors in E - Commerce	B.E - Com.
3	Bachelors in Commerce	B. Com (C.S)
4	Bachelors in Commerce Honours	B.Com. (Hons.)
5	Bachelors in Business Process Outsourcing	B.A. (BPO)
6	Bachelors in Service Management	B.A. (SM)

<b>Master Programmes</b>		
1	Masters in Commerce	M.Com.
2	Masters in E - Commerce	M.E-Com.
3	Masters in Philosophy	M.Phil.
4	Doctor of Literature	D.Litt.
5	Doctor of Philosophy	Ph.D.

**6.4 School of Surgery and Medicine****Diploma Courses**

1	Diploma in Science	D.Sc.
2	Diploma in Child Health	D.Ch.
3	Diploma in Tuberculosis and Chest Diseases	D.Tc.D
4	Diploma in Opthomology Medicine and Surgery	D.O.M.S.
5	Diploma in Chemical Pathology	D.C.P
6	Diploma in Laryngology and Octology	D.I.O
7	Diploma in Gynecology and Obstetrics	D.G.O
8	Diploma in Anesthesiology	D.A
9	Diploma in Orthopedics	D.Orth.
10	Diploma in Public Health	D.P.H

**Bachelor Programmes**

1	Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery	M.B.B.S.
2	Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery (Veterinary)	M.B.B.S. (Vet)

**Master Programmes**

1	Master of Surgery	M.S.
2	Master of Medicine	M.D.

Master of Surgery  
Master of Medicine  
Master of Public Health  
Master of Child Health

## 6.5 School of Engineering and Applied Sciences

### Diploma Courses

- 1 Diploma in Optoelectronics and Communication Systems

### Bachelor Programmes

- |    |   |                        |
|----|---|------------------------|
| 1  | Bachelor of Technology in Biotechnology   | B. Tech (Biotech)      |
| 2  | Bachelor of Technology in Electronics & Communication Engineering   | B. Tech (E&C)          |
| 3  | Bachelor of Technology in Electronics & Telecommunication Engineering   | B. Tech (E&TC)         |
| 4  | Bachelor of Technology in Civil Engineering   | B. Tech (CE)           |
| 5  | Bachelor of Technology in Computer Aided Engineering  | B. Tech (CAE)          |
| 6  | Bachelor of Technology in Electrical & Electronics Engineering  | B. Tech (EEE)          |
| 7  | Bachelor of Technology in Electrical Engineering  | B. Tech (EE)           |
| 8  | Bachelor of Technology in Manufacturing Technology  |                        |
| 9  | Bachelor of Technology in Mechanical Design Engineering   | B. Tech (MDE)          |
| 10 | Bachelor of Technology in Mechanical Engineering  | B. Tech (ME)           |
| 11 | Bachelor of Technology in Mobile Telecommunication Engineering  | B. Tech (MTE)          |
| 12 | Bachelor of Technology in Photonics Engineering   | B. Tech (PE)           |
| 13 | Bachelor of Technology in Mechatronics  | B. Tech (Mechatronics) |
| 14 | Bachelor of Engineering Technology  | B.E. Tech              |
| 15 | Bachelor of Science   | B. Sc.                 |
|    | <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ Biochemistry</li> <li>▪ Bioinformatics</li> <li>▪ Biotechnology</li> <li>▪ Microbiology</li> </ul> |                        |

**Master Programmes**

- |   |  |                |
|---|--|----------------|
| 1 | Master of Science  | M.Sc.          |
|   | <ul style="list-style-type: none"><li>▪ Biochemistry</li><li>▪ Bioinformatics</li><li>▪ Biotechnology</li><li>▪ Microbiology</li></ul>   |                |
| 2 | Master of Technology   | M.Tech (2 Yrs) |
|   | <ul style="list-style-type: none"><li>▪ Electronics with Telecommunication networks</li><li>▪ Electronics with Microwave Engineering</li><li>▪ Biotechnology</li><li>▪ Automotive Engineering &amp; Business</li><li>▪ Power Systems</li><li>▪ Power Electronics</li><li>▪ Communication &amp; Radar Engineering</li><li>▪ Embedded Systems &amp; VLSI</li><li>▪ Mobile Networks and Management</li><li>▪ Microelectronics &amp; Communication Systems</li><li>▪ Telecom Services Management</li></ul> |                |
| 3 | Master of Technology (integrated)  | M.Tech (5 Yrs) |
|   | <ul style="list-style-type: none"><li>▪ Electronics with Telecommunication networks</li><li>▪ Electronics with Microwave Engineering</li><li>▪ Biotechnology</li><li>▪ Automotive Engineering &amp; Business</li><li>▪ Power Systems</li><li>▪ Power Electronics</li><li>▪ Communication &amp; Radar Engineering</li><li>▪ Embedded Systems &amp; VLSI</li><li>▪ Mobile Networks and Management</li><li>▪ Microelectronics &amp; Communication Systems</li><li>▪ Telecom Services Management</li></ul> |                |

**6.6 School of Health and Pharmacy****Diploma Courses**

- 1 Diploma in Health Care Services
- 2 Diploma in Nutrition and Dietetics
- 3 Diploma in Pharma Sales Management
- 4 Diploma in Health Informatics
- 5 Diploma in Pharmacy
- 6 Diploma in Health Care Systems and Service Management
- 7 Diploma in General Nursing and Mid Wifery

**Bachelor Programmes**

- |   |   |             |
|---|---|-------------|
| 1 | Bachelors in Pharmacy                         | B. Pharma   |
| 2 | Bachelors in Hospital Management              |             |
| 3 | Bachelors in Human Nutrition                  |             |
| 4 | Bachelors in Medical Laboratory Technology    |             |
| 5 | Bachelors in Occupational Therapy             |             |
| 6 | Bachelors in Physiotherapy                    |             |
| 7 | Bachelors in Radiology and Imaging Technology |             |
| 8 | Bachelors in Nursing                          | B.Sc. (Nur) |

**Master Programmes**

- |   |                                |             |
|---|--------------------------------|-------------|
| 1 | Masters in Pharmacy            | M. Pharma   |
| 2 | Masters in Nursing             | M.Sc. (Nur) |
| 3 | Masters in Hospital Management |             |



**6.7 School of Computing and Applied Software Engineering****Diploma Courses**

1	Diploma in Computing	DCT
2	Diploma in Information Technology	DIT
3	Diploma in Software Engineering	DSE

**Bachelor Programmes**

1	Bachelor of Technology	B. Tech
	<ul style="list-style-type: none"> <li>▪ Computational Management</li> <li>▪ Internet Computing</li> <li>▪ Computer Science and Engineering</li> <li>▪ Mobile Computing</li> <li>▪ Software Engineering</li> <li>▪ Infocomm Technologies</li> </ul>	
2	Bachelors in Computer Applications	BCA

**Master Programmes**

1	Master of Technology	M. Tech
	<ul style="list-style-type: none"> <li>▪ Computer Science and Engineering</li> <li>▪ Intelligent Systems</li> <li>▪ Parallel and Distributed Computing</li> </ul>	
2	Masters in Information Technology	MIT
3	Masters in Computer Applications	MCA
4	Masters in Computer Applications (integrated)	MCA (5 Yrs)
5	Master of Technology in Software Engineering	M. Tech (SE)

**6.8 School of Hospitality and Tourism****Diploma Courses**

- 1 Diploma in Bakery and Confectionery
- 2 Diploma in Cruise Hospitality Management
- 3 Diploma in Food and Beverage Management
- 4 Diploma in Front Office Management
- 5 Diploma in Customer Relations
- 6 Diploma in Hospitality Management
- 7 Diploma in Indian Regional Cuisine
- 8 Diploma in Institutional Catering
- 9 Diploma in Institutional Housekeeping
- 10 Diploma in International Cuisine
- 11 Diploma in International Ticketing and CRS
- 12 Diploma in Restaurant and Bar Management
- 13 Diploma in Aviation Hospitality Management
- 14 Diploma in Travel and Tourism
- 15 Post Graduate Diploma in Culinary Arts
- 16 Post Graduate Diploma in Hospitality and Tourism

**Bachelor Programmes**

- 1 Bachelor of Arts B.A
  - Aviation / Cruise Hospitality Management
  - Culinary Arts
  - Hospitality and Hotel Administration
  - Travel and Leisure Management
- 2 Bachelor of Arts Honours in International Hospitality Management

**Master Programmes**

- 1 Masters in Business Administration MBA
  - Hospitality Management
  - Tourism and Leisure Management

**6.9 School of Insurance and Risk Management Studies**

<b>Bachelor Programmes</b>		
1	Bachelors in Insurance and Risk Management	BIRM
2	Bachelors in Insurance Management	

<b>Master Programmes</b>		
1	Masters of Arts in Insurance and Risk Management	M.A. (IRM)
2	Masters in Life Insurance	
3	Masters in General Insurance	
4	Masters in Actuarial Applications	
5	Doctoral Programme	

**6.10 School of Marketing Communication**

<b>Diploma Courses</b>		
1	Diploma in Advertising Management	
2	Diploma in Radio Anchoring and Audio Management	
3	Diploma in Media Journalism	
4	Diploma in Journalism and Mass Communication	
5	Diploma in Television Anchoring, News – reading and Broadcast Management	
6	Post Graduate Diploma in Mass Communication and Journalism	
7	Post Graduate Diploma in Public Relations and Advertising	

<b>Bachelor Programmes</b>		
1	Bachelor of Arts in Advertising and Public Relations	B.A (Ad & Pr)
2	Bachelors in Journalism and Mass Communication	BJMC
3	Bachelors in Journalism and Media Studies	BJMS

**6.11 School of Design Engineering and Architecture****Diploma Courses**

- |   |                            |     |
|---|----------------------------|-----|
| 1 | Diploma in Product Design  | DPD |
| 2 | Diploma in Interior Design | DID |

**Bachelor Programmes**

- |   |  |         |
|---|--|---------|
| 1 | Bachelors in Architecture                              | B. Arch |
| 2 | Bachelors in Architectural Technology and Construction |         |
| 3 | Bachelors in Interior Design                           |         |
| 4 | Bachelors in Product Design                            |         |
| 5 | Bachelors in Building Services                         |         |
| 6 | Bachelors in Estate Management                         |         |

**Master Programmes**

- |   |                        |         |
|---|------------------------|---------|
| 1 | Master of Architecture | M. Arch |
| 2 | Doctorate Programme    |         |

**6.12 School of Film and Television****Diploma Courses**

- 1 Diploma in Film and Television
- 2 Diploma in Moving Image
- 3 Diploma in Non - linear Editing
- 4 Diploma in Photo Journalism
- 5 Diploma in Script Writing for Film and TV
- 6 Diploma in Acting and Choreography
- 7 Post Graduate Diploma in Animation and Multimedia
- 8 Post Graduate Diploma in Multimedia Design and Management

**Bachelor Programmes**

- |   |   |     |
|---|---|-----|
| 1 | Bachelor of Arts  | B.A |
|   | <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ Animation and Computer Graphics</li> <li>▪ Film and TV Production</li> <li>▪ Radio Production</li> <li>▪ Still Photography</li> <li>▪ Acting and Choreography</li> </ul> |     |

**Master Programmes**

- |   |   |     |
|---|---|-----|
| 1 | Master of Arts  | M.A |
|   | <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ Animation and Computer Graphics</li> <li>▪ Art Design</li> <li>▪ Costume Design</li> <li>▪ Development Communication</li> <li>▪ Film and TV Production</li> <li>▪ Media Management</li> <li>▪ Radio Production</li> <li>▪ Still Photography</li> <li>▪ Video Editing</li> <li>▪ Videography</li> <li>▪ Cinema Studies</li> <li>▪ Cinematography</li> </ul> |     |

**6.13 School of Management****Diploma Courses**

- |   |  |        |
|---|--|--------|
| 1 | Post Graduate Diploma in Business Management               | PGDBM  |
| 2 | Post Graduate Diploma in International Business Management | PGDIBM |
| 3 | Post Graduate Diploma in Business Enterprise               | PGDBE  |
| 4 | Post Graduate Diploma in Entrepreneurship                  | PGDE   |

**Master Programmes**

- |   |   |             |
|---|---|-------------|
| 1 | Masters in Business Administration (integrated)<br>BBM + MBA  | MBA (5 Yrs) |
| 2 | Masters in Business Administration  | MBA (2 Yrs) |
| 3 | Masters in Business Administration <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ Global Financial Management</li> <li>▪ International Business Administration</li> <li>▪ Finance and Marketing</li> <li>▪ Marketing and HR</li> <li>▪ Finance and HR</li> <li>▪ Interior Design</li> <li>▪ Aviation Management</li> <li>▪ Media Studies</li> <li>▪ Tourism</li> <li>▪ Advertising</li> <li>▪ Entrepreneurship</li> <li>▪ Fashion Technology</li> </ul> |             |
| 4 | Executive MBA   |             |
| 5 | Executive Doctorate   |             |
| 6 | Doctor of Philosophy  |             |

**6.14 School of Mass Communication****Diploma Courses**

- |   |   |       |
|---|---|-------|
| 1 | Diploma in Advanced Reporting   |       |
| 2 | Diploma in Advertising, Public Relations and Corporate Communications |       |
| 3 | Diploma in Brand Management   |       |
| 4 | Diploma in Cultural Studies   |       |
| 5 | Diploma in Print, Electronic and Cyber Journalism (Hind/English)      |       |
| 6 | Diploma in Rural Communication  |       |
| 7 | Diploma in Technical Writing  |       |
| 8 | Diploma in Web Journalism   |       |
| 9 | Post Graduate Diploma in Mass Communication                           | PGDMC |

**Master Programmes**

- |   |  |     |
|---|--|-----|
| 1 | Master of Arts   | M.A |
|   | ▪ Advertising, Public Relations and Corporate Communications |     |
|   | ▪ Brand Communication  |     |
|   | ▪ Communication, Culture and Media                           |     |
|   | ▪ Marketing Communication                                    |     |
| 2 | Masters in Journalism  | MJ  |
| 3 | Masters in Mass Communications                               | MMC |

**6.15 School of Arts and Management Sciences****Diploma Courses**

- 1 Diploma in Business
- 2 Diploma in Financial Management
- 3 Diploma in Human Resource Management
- 4 Diploma in Sales and Marketing Management
- 5 Diploma in Industrial Relations
- 6 Diploma in Personnel Management

**Bachelor Programmes**

- 1 Bachelors in Business Administration BBA
  - Information Technology
  - Accounting and Finance
  - Human Resources
  - Marketing
  - International Business
  - Entrepreneurship
- 2 Bachelors in Business Management BBM

**Master Programmes**

- 1 Masters in Financial Management MFM
- 2 Masters in Human Resource Management MHRM
- 3 Masters in Foreign Trade MFT



**6.16 School of Culture and Human Values****Diploma Courses**

- 1 Diploma in Vedic Astrology
- 2 Diploma in Vedic Sciences
- 15 Post Graduate Diploma in Vedic Astrology
- 16 Post Graduate Diploma in Vedic Sciences

**Bachelor Programmes**

- 1 Bachelor of Science B. Sc.
  - Vedic Sciences
  - Universal Religion
- 2 Bachelor of Philosophy

**Master Programmes**

- 1 Doctoral Programmes in Vedic Astrology
- 2 Doctoral Programmes in Vedic Sciences, Philosophy and Management

**6.17 School of Fashion Technology****Diploma Courses**

- 1 Diploma in Vedic Astrology
- 2 Diploma in Vedic Sciences
- 3 Post Graduate Diploma in Vedic Astrology
- 4 Post Graduate Diploma in Vedic Sciences

**Bachelor Programmes**

- |   |   |              |
|---|---|--------------|
| 1 | Bachelor of Arts in Beauty Care and Health Services   | B.A.         |
| 2 | Bachelor of Arts Honours  | B.A. (Hons.) |
|   | <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ Fashion Design and Retail Management</li> <li>▪ Fashion Design for Industry</li> <li>▪ Fashion Management</li> <li>▪ Fashion Marketing and Promotion</li> <li>▪ Textile Designing</li> </ul> |              |
| 3 | Bachelor of Arts in Fashion and Apparel Design  |              |
| 4 | Bachelors in Fashion Technology   | BFT          |

**Master Programmes**

- |   |   |     |
|---|---|-----|
| 1 | Master of Arts  | M.A |
|   | <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ Apparel Production, Quality Control.</li> <li>▪ Costume Design</li> <li>▪ Fashion Accessory Design and Technology</li> <li>▪ Fashion Industry</li> <li>▪ Fashion Styling and Photography</li> <li>▪ Product Design and Development</li> <li>▪ Textile and Fashion Design Management</li> <li>▪ Textile Design</li> <li>▪ Fashion Portfolio Development</li> <li>▪ Fashion Development</li> </ul> |     |

**6.18 School of Performing Arts and Creative Education****Diploma Courses**

- 1 Diploma in Fine Arts
- 2 Diploma in Guitar / Piano / Violin
- 3 Diploma in Art Appreciation
- 4 Diploma in Graphic Design
- 5 Diploma in Kathak
- 6 Diploma in Music Appreciation
- 7 Diploma in Tabla / Pakhawaj / Sitar / Vocal
- 8 Diploma in Western Vocal / Hindustani Vocal

**Bachelor Programmes**

- 1 Bachelors in Dance
- 2 Bachelor of Arts B.A.
  - Graphic Design
  - Museology
  - Fashion Management
  - Fashion Marketing and Promotion
  - Textile Designing
- 3 Bachelors in Fine Arts BFA
  - Painting
  - Print Making
  - Sculpture
- 4 Bachelors in Performing Arts BPA

**Master Programmes**

- 1 Master of Arts M.A.
  - Graphic Design
  - Conservation
  - Museology
  - Visual Research
- 2 Masters in Fine Arts MFA
  - Painting
  - Print Making
  - Sculpture
  - Critical Curation
  - Critical History of Art
  - Museum and Heritage Exhibition Design
- 3 Doctoral Programmes

**6.19 School of Vocational and Advanced Studies****Diploma Courses**

- 1 Diploma in Genetic Engineering
- 2 Diploma in Plant Tissue Culture
- 3 Diploma in Human Molecular Genetics
- 4 Diploma in Micropropagation
- 5 Diploma in Landscape Designing
- 6 Diploma in Electronic Communication and Engineering
- 7 Diploma in Dairy Technology
- 8 Diploma in Beauty Sciences
- 9 Diploma in Forensic Sciences
- 10 Diploma in Embedded Systems
- 11 Post Graduate Diploma in Beauty Sciences
- 12 Post Graduate Diploma in Biotechnology
- 13 Post Graduate Diploma in Medical Microbiology and Immunology
- 14 Post Graduate Diploma in Natural Extraction

**6.20. School of Dental Sciences****Diploma Courses**

- 1 Diploma in Oral Surgery
- 2 Diploma in Orthodontics.
- 3 Diploma in Prosthodontics
- 4 Diploma in Conservative Dentistry
- 5 Diploma in Oral Pathology

**Bachelor Programmes**

- 1 Bachelors in Dental Surgery B.D.S

**Master Programmes**

- 1 Masters in Dental Surgery M.D.S

7. The University may establish as many additional schools and colleges imparting education in specified fields as may be necessary to meet the requirements emerging through new areas of studies.
8. The programmes / courses in which approval of specific regulatory body or council is required will be offered after getting such approval/permission.

**Ordinance No.4**  
**The Conditions of The Award of Fellowships and Scholarships**  
**(Section 27 (I) (d) of the Adhiniyam)**

1. Every year the University shall invite applications through notifications for the awards to be made for Fellowships, Scholarships and Students Scholarships.
2. Subject to the general conditions applicable to all Fellowships and Research Scholarships as laid down in paragraph 4 below, the value, duration and conditions for the award of University Grants Commission Fellowships shall be such as are laid down by the University Grants Commission.
3. The value and duration of Scholarships / Fellowships instituted by the University shall be laid down by the Academic Council and approved by the Board of Management. The Selection of the candidate shall be made in accordance with the regulations laid down by the Board of Management from time to time.
4. Graduate and Postgraduate scholarships instituted by the University shall ordinarily be tenable for two academic sessions i.e. twelve months in the first year and ten months in the second year on condition that the scholarship holder produces a certificate of efficiency in studies from the Head of the Department in the subject of study.
5. The scholarship shall be tenable from the 1<sup>st</sup> of August if the scholarship holder joins the course within one month of the date of the opening of the college after the summer vacation and pays the tuition fee from the commencement of the session. In any other case, it shall be tenable from the date on which the candidate joins the course.
6. A scholarship shall be withdrawn in the subsequent year if the scholarship holder fails to secure at least 70% marks in the Previous Examination of the concerned course.
7. If a scholarship - holder is unable to appear at the previous examination on account of sickness or any other reasonable cause, the scholarship shall be paid only if the Head of the Institution certifies that the scholar diligently studied for the examination but was unable to take the examination for reasons beyond his/her control. Such a scholar shall not receive scholarship during the next session but shall be entitled to the scholarship for the subsequent year if the scholar passes the previous examination with the requisite standard in the succeeding year in the first attempt.
8. A scholarship - holder shall at all time be of good behavior and observe all rules of discipline.

9. (A) A scholarship shall be liable to termination, if -

- (i) The scholarship-holder discontinues studies during the middle of a session or
- (ii) The scholarship-holder after he has been given a reasonable opportunity to explain his conduct is in the opinion of the Academic Council guilty of a breach of Para 8 of his ordinance and if the Academic Council so directs, the scholarship - holder also be liable to refund the amount of scholarship drawn by him.

(B) The order of termination passed by the Academic Council shall be final.

**Ordinance No.5**  
**Conduct of Examination**  
**(Section 27 (I) (e) of the Adhinyam)**

**Definitions**

“University Student” means a student enrolled in any college/school of the University, enrolled in any college/school recognized and affiliated to the University, admitted to Distance Education Academic Centers and Study Centres, etc. of the University.

“Regular Candidate” means a student who has pursued the course of study in a school / college or a Distance Education Academic Centre or Off-Campus Institute and seeks to take examination of the University as such.

“Ex - Student Candidates” means a student who was admitted to an examination as a regular candidate but was not declared successful there at or was unable to appear in the examination and was not the regular University student and now seeks admission to the said examination again.

**Methods of Computing the Attendance**

- (a) Attendance at lectures delivered and practicals/clinicals/sessionals if any, held during the academic session shall be counted.
  - (b) Attendance at N.C.C. / N.S.S. Camp. Outdoor assignments, etc. during the session shall be taken as full attendance at lectures / practicals on each such day of the camp and / or assignments and the days of journey to such camp / assignments.
  - (c) Participation as a member of the University team in any Inter University competition shall be taken as full attendance for the days of participation in such competition.
  - (d) For special reasons such as prolonged illness, deficiency in percentage of attendance not exceeding fifteen percent of the total number of lectures delivered and practicals / clinicals /sessionals held in each subject may be condoned by the Vice-Chancellor.
1. The students evaluation for award of all degrees/diplomas/certificates comprises the following:
    - (a) Assignments
    - (b) Mid-Semester examination
    - (c) End-Semester examination
  2. The weightage for the foregoing shall be as prescribed for each discipline and approved by the Academic Council.



### 3. Assignments

- (a) The Issue, submission and evaluation of assignments will be the responsibility of the Deans or respective colleges/schools. He shall maintain complete honesty in preparation and evaluation of the assignments
- (b) The entire class shall be divided in groups.
- (c) Each group will be given a separate assignment with minimum commonality.
- (d) A minimum of two assignments per subject per semester will be given to the students.
- (e) Each student will be required to defend his assignment after submission through a process of presentation / viva-voce.
- (f) Assignments will be prepared as per a standard format, approved by the Academic Council from time to time specific to colleges and schools.
- (g) Students will be required to submit the assignments within two weeks from the date of issue.
- (h) Assignments submitted after the due date will not be assessed for more than 50% marks.

### 4. Mid-Semester Examination

- (a) Mid-semester examination shall be the responsibility of the Dean of respective College / School. He shall maintain total academic honesty in the conduct of these examinations.
- (b) The mid-semester examination shall be held after a minimum of 45 days of formal teaching
- (c) The mid-semester examination shall be for a duration of not more than two hours and not less than one and half hours.
- (d) The Practical examinations, where applicable, shall be held and be given a weightage as per the directions of the Academic Council.
- (e) The mid-semester examination shall be held in the same manner as the end-semester examination and the rules and regulations applicable for the end-semester examination shall apply.

**5. Results of Assignment and Mid-Semester Examination**

The results of assignments and mid-semester examination shall be submitted to the Controller of Examination at least one week before the commencement of End-semester examination.

**6. End-Semester Examination**

All arrangements for the conduct of end-semester examination shall be made by the Controller of Examinations in accordance with such directions as may be issued by the Board of Management in consultation with the Academic Council.

7. The Controller of Examinations shall prepare and duly publish a programme for the conduct of examination specifying the date of each examination and last date by which applications and fees for examination shall be paid by the intending examinees.

8. The Board of Management shall determine in consultation with the Academic Council the Centers of Examination in accordance with the provisions of the Adhinyam and the Controller of Examination shall in consultation with the Institutions, which have been declared as examination centers, appoint Superintendent and Assistant Superintendents, (if any) for each examination center and shall issue instructions for their guidance.

Provided that for the purpose of appointment of an Assistant Superintendent at a center, the minimum strength of examinees appearing there - from shall be at least 300.

a. The Superintendent of the Examination at each center shall be personally responsible for the safe custody of question papers and the answer - books sent to him and shall render to the University office a complete account of used unused papers and answer books.

b. The Superintendent shall supervise the work of invigilators working under him.

9. The University may change the examination centre or the examination time if it deems proper without assigning any reason.

10. The Controller of Examination may on the recommendation of the Centre Superintendent appoint an amanuensis to write down dictation pertaining to answers to questions during an examination on behalf of an examinee who is unable to write himself/herself if he/she is medically handicapped and possess a certificate of a Government Medical Officer, provided that such an amanuensis shall be a man / woman possessing qualification of at least one class lower than that of the examinee concerned.

11. The University may from time to time appoint inspectors or Board of Inspectors to see that the examinations are conducted strictly in accordance with rules and procedures laid down. In the event of the Inspector pointing out a breach of rules or procedure, the Vice-Chancellor may take such action as may be necessary including postponement or cancellation, wholly or in part of the examination at the centre, and if any such action is taken a report of the action taken shall be made to the Board of Management at its next meeting.

12. The Vice-Chancellor may cancel an examination at all centers if he is satisfied that there has been leakage of question papers or any other irregularity which in his opinion warrants such a step and report the action taken at the next meeting of Board of Management.
13. The Board of Management in consultation with the Academic Council may issue such general instruction for the guidance of the Examiners, Centre Superintendents, Tabulators, Collators as it considers necessary for the proper discharge of their duties.
14. If a candidate has any communication to make on the subject of his / her examination paper, it shall be made in writing to the Controller of Examination directly.
15. Any attempt made by or on behalf of a candidate to secure preferential treatment in the matter of his / her examination, the matter shall be reported to the Controller of Examination who shall place the matter before the Vice- Chancellor for further necessary action.
16. Except as otherwise decided by the Board of Management, the examination answer-books and the foil and counter foil of the marks obtained by the examinees except the tabulated results, shall be destroyed or otherwise disposed of after 6 months from the date of the declaration of the results of the examination provided that the evaluated answer books of revaluation shall be destroyed / disposed of only after 3 months of the declaration of the revaluation result.
17. The Controller of Examination shall publish the combined results of the University examination on the notice board of the office of the University in addition to the Internet. The result when published shall simultaneously be communicated to the institutions concerned.
18. The remuneration of the examiners, Superintendents, Assistant Superintendents, Invigilators, Tabulators and Collators and the deductions to be made in the remuneration for errors noticed shall be such as prescribed from time to time by the Board of Management.
19. Where a student applies for revaluation, the answer books of the subjects in which the revaluation is sought will be sent to an examiner other than the one who evaluated it initially. The examiner so appointed will check and evaluate only those questions, which have been left unmarked. He will also check the total. The answer book will not be re-evaluated for already evaluated questions.

Provided that such an examiner will receive remuneration as prescribed by the Board of Management.

**20.** (1) No ex - student candidate shall be admitted to an examination of the University unless he submits with his application the following:

(i) The statement of marks (in original) obtained by him as a regular candidate at the said examination issued by the University together with an attested copy thereof, or

(ii) In case he was duly admitted to the said examination as a regular candidate but he could not appear thereat, a certificate from the institute last attended by him showing the year, the roll number and the examination to which he was admitted as a regular candidate.

(2) Every ex- student candidate shall appear at the Examination Centre at which he appeared as regular candidate.

**21.** No candidate shall appear, in more than one-degree examination or in more than one subject for the Master's degree in one and the same year.

**22.** (1) A Candidate who has passed first year of Bachelor's degree, examination or Master's degree examination of another University / Awarding Body, (Indian or Foreign) may be admitted to the next higher examination of the University for the corresponding degree subject to such conditions as laid down by the Academic Council from time to time.

Provided at least 75% of the courseware offered by the University / Awarding Body of the candidate match with the courseware of the University for the award of the corresponding degree. Provided that the student shall have to secure at least the pass grades in the bridge modules.

(2) A Candidate who has completed 3 years diploma course from a recognized Board of Technical Education from India or Abroad with at least 60% marks after 10 years of formal education may be awarded lateral entry into the second year.

(3) A Candidate who has completed a diploma programme after 12 years of formal education from a internationally recognized awarding body such as Edexcel International, UK, may be granted lateral entry into the third year of the Bachelors Programme in the corresponding field of study of the University subject to a student securing at least Merit (65%) grades in half the units.

Provided that the candidate will be required to secure at least pass grades in the Bridge Modules.

**23.** No person who has been expelled or rusticated from any college or University or has been debarred from appearing at a University examination shall be admitted to any examination during the period for which the sentence is in operation.

**24.** An application for admission to an examination received by the Controller of Examination after the last date notified by the University but not later than fifteen days after such last date may be entertained on payment of a late fee as prescribed from time to time.

25. Notwithstanding anything contained In the Ordinances relating to admission of candidates to an examination of the University, the Vice-Chancellor may, in special cases in which he is satisfied that the delay in submitting the application for admission to an examination is not duo to lack or negligence on the pan of the candidate and that it would be a great hardship to the candidate if his application is rejected, allow an application which Is otherwise complete in all respects to be entertained with the late fee prescribed by the Board of Management from time to time even though the same is received after the expiry of the period of fifteen days mentioned in the foregoing paragraph.

26. (1) The Controller of Examination shall issue an admission card In favour of a candidate if: -

- (a) The application of the candidate is complete in all respects.
- (b) The fees as prescribed have been paid by the candidate.
- (c) The assignments have been submitted.
- (d) The attendance is more than 75%.
- (e) The student has scored a minimum of 50% marks is assignments and mid-semester collectively.

(2) Where the practical examination is held earlier than the examination in theory papers, a candidate shall not be deemed to have been admitted to the theory examination until he is issued an admission card for appearing in the examination.

(3) The admission card issued in favour of a candidate to appear at an examination may be withdrawn if it is found that: -

- (a) The admission card was issued by mistake, or the candidate was not eligible to appear in the examination.
- (b) Any of the particulars given or documents submitted by the candidate in or with the application for enrolment, admission to the institute, college or school are false or incorrect.

(4) The Controller of Examination may, if he is satisfied that an admission card has been lost or destroyed, grant a duplicate admission card on the Payment of a fee prescribed. Such a card shall show in a prominent place the word "**Duplicate**".

27. (1) A candidate who due to sickness or other cause is unable to present himself / herself at an examination, shall not receive a refund of his fee.

Provided that the Vice-Chancellor may, in case in which he is satisfied about the genuineness or merit of it, order for adjustment of the following portion of the fee towards the next immediate examination viz.

- (i) Examination fee after deduction of 10% fee paid
- (ii) Fee for statement of marks.

Other fees paid by the candidate shall lapse to the University. Application for such adjustment from a candidate accompanied by a Medical Certificate of illness if applicable, must be sent so as to reach the Controller of Examination not later than 30 days from the date of commencement of the examination at which the candidate was to appear.

(2) The fees paid by a regular candidate who is debarred from appearing at an examination due to shortage in attendance at lectures / practicals, may be refunded after deduction of service charge of 10%.

(3) Examination and other fees of a candidate whose application for appearing at an examination has been rejected for some reason or he could not furnish his form within the prescribed date; necessary fees having been paid in the University account, may be refunded after deduction of service charges of 10%.

(4) The examination and marks statement fee of a candidate who dies before appearing at the examination may be refunded in full to his guardian or his successor.

(5) The entire fees paid by a candidate whose application for appearing at an examination is cancelled on account of producing fraudulent documents or giving false particulars shall stand forfeited.

**28.** (1) any candidate, who has appeared at an examination conducted by the University, may apply to the Controller of Examination for the scrutiny of his marks in the answer scripts of theory papers in any subject and rechecking of his results. Such application must be made so as to reach the Controller of Examination within 15 days of the publication of the result of the examination.

(2) Such application must be accompanied by fee as per schedule given below -

- (a) In one subject Rs. 2000/-
- (b) In all subjects Rs. 1000/-

(3) A candidate shall not be entitled to a refund of the fee.

(4) The result of scrutiny shall be communicated to the candidate.

(5) If as a result of scrutiny, it is found that the examinee should be declared as having passed or placed in a higher division, the result of the candidate shall be revised accordingly.

**29.** Duplicate copies of the following certificate shall be granted on payment of the fee mentioned against each viz.

- (i) Statement of Marks Rs. 150/-
- (ii) Migration certificate Rs. 300/-
- (iii) Provisional Certificate Rs. 500/-
- (iv) Degree Certificate Rs. 1500/-

Provided further, the duplicate copy of the Migration Certificate, Degree, Diploma shall not be granted except in cases in which the Vice-Chancellor is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by law for the time being in force that the applicant has not utilized the original documents for appearing at an examination and has lost the same or that the same has been destroyed and that the applicant really need a duplicate copy. Duplicate copy shall be issued only once.

30. The names of the first ten successful candidate in each final Degree Examination other than supplementary examination who obtain first division shall be declared in order of Merit.
31. Notwithstanding anything contained in the concerned ordinance an examinee who has appeared in all the theory papers, practicals, viva, internal assessment, field work, project work at the end-semester examination in 1st attempt and fails by a total of not more than five marks in not more than three subjects in any of the Graduate examinations but secures more than the minimum aggregate marks required, may be given a grace of up to five marks with not more than three marks given in anyone subject to enable him to pass the examination. These marks shall, however, not be counted towards the total.
32. The Vice-Chancellor may award one grace mark in case the candidate is missing a division by one mark. Where the deficiency is so condoned one mark shall not be added to the total.
33. (1) The following shall be eligible to appear at supplementary examination.
- (a) Candidates who have failed at any B.A., B.Sc., or B. Com. examination in not more than two subjects.
  - (b) Candidate for examination other than those enumerated in (a) above who are declared eligible to appear at a supplementary examination in accordance with the provisions of the respective examination Ordinance.
- (2) In the case of subject for supplementary examination on which there is also a practical test, a candidate shall be required to appear in the written papers only if he has passed at the main examination in practical and in practical only if he has passes in the written papers. A candidate who has failed both in written paper and practical shall be examined in both the parts of the subject.
- (3) Except when provided otherwise in the Ordinance concerned, a candidate who has been declared eligible for a supplementary examination may appear as supplementary examination candidate in the two examinations immediately following the examination in which he was declared to be so eligible and thereafter he shall be required to appear in all the papers at the next examination.

(4) A candidate appearing in the supplementary examination shall be declared to have passed the examination if he secured the minimum pass marks in the subject or group as the case maybe except when provided otherwise in the examination Ordinance concerned. The marks obtained by the candidate in the supplementary/ examination shall taken into account in determining the division at the examination.



**Ordinance No.6**  
**Appointment of Examiners**  
**(Section 27 (I) (e) of the Adhiniyam)**

**1. In this Ordinance -**

(i) 'Internal Examiner' means

(a) (In case of theory paper) an examiner including a paper setter who is a teacher of the University College, School / Study Centres or Institution identified as Centres of the University for that location.

(b) (In case of practical and viva -voce examination) an examiner who is a teacher in the University College, School, Study Centres or Institution whose candidates are being examined at that examination centre.

(ii) "External Examiner" means an examiner other than an internal examiner.

(iii) "Co - Examiner" means an examiner in a written paper other than the paper setter.

2. The office of the Controller of Examination shall prepare for every subject an institution wise list of names of persons qualified for appointment as examiners. The list shall be in two parts, the first part containing the names of persons working as teachers in the University School and Colleges or in the Institution identified as centres of the University and the second part containing names of persons other than the teachers of the University qualified for appointment as examiners.

3. The list shall contain as far as possible information relating to the persons included therein on the following points namely.

(a) The academic qualifications and teaching experience at Undergraduate and post-graduate levels.

(b) The field of specialization

(c) The name of the examinations of the University and years in which they have acted as examiners in the past.

4. The list so prepared shall be made available to the Examination Committee, as constituted under Section 14 of the First Statutes

5. The office of the Controller of Examinations shall also give the Examination Committee the approximate number of candidates expected to appear at each examination centre and the list of centers of each practical / Viva - Voce examination together with the estimated number of candidates thereat.

6. The examination committee shall in the light of the provisions of the following paragraphs, recommend.

(i) A panel of three names for the appointment of the paper-setter of each written paper.

(ii). A list of names of persons for appointment as co- examiners where necessary, in excess of the number to be appointed.

(iii) A list of names of persons for appointment as examiners in each practical/ Viva-Voce examination. The names included in the list shall be sufficient for the conduct of practical/ Viva-Voce examination at different centers.

7. The Vice-Chancellor shall appoint paper -setters, co- examiners, practical/ viva Voce examiners ordinarily from amongst persons recommended by the examination committee. He may, however, appoint a person whose name is not included in the list of names recommended by the examination committee if he is satisfied that the person in question possesses the minimum qualification and his appointment will not be contrary to the provisions of the following paragraphs.

8. The qualifications of the paper - setter and Co - Examiners shall be as follows namely.

#### A) Paper- setter:

##### Examination

(i) Post - Graduate examination in all other than Law

##### Qualification

i) Experience of teaching the subject Faculties at the post graduate level for the at least Five Years

OR

Experience of teaching the subject at the post graduate level for atleast five years together with research experience / total teaching experience at the degree and / or post graduate level for atleast seven years / Industry experience of seven years.

(ii) LL M.

(ii) Master's degree or higher degree in law and teaching experience at LL. M. Level for at least five years.

OR

Experience as High Court Judge.

OR

Standing of at least ten years at the Bar.

(iii) Degree examination in all Faculties other than Engg, Technology, Law, Medicine and Dentistry

(iii) Teaching the subject at Under graduate" and / or Post graduate level for at least five years.

- |  |   |
|--|---|
| (iv) Degree examination in Faculties of Engineering and Technology   | (iv) Teaching Experience at UG / Post graduate level and / or Professional experience of at least five years.<br>OR<br>Seven years professional experience  |
| (v) Degree examination in the Faculty of Medicine & Dentistry  | (v) Teaching experience in the subject at the degree and / or post graduate level for at least five years   |
| (vi) LLB.  | (vi) Teaching experience of LLB and/ or LL M classes for at least five years<br>OR<br>Judicial experience as District Judge for at least five years<br>OR<br>Standing of at least ten years at Bar.   |
| (vii) Diploma examination in all Faculties other than those in the of Medicine, Dentistry and post Graduate Diploma examination in Business Administration | (vii) Teaching experience of at least three years of Degree and five years of Diploma classes..   |
| (viii) Diploma examination in the Faculty of Medicine & Dentistry  | (viii) A Doctor's or Master's Degree or a post graduate Diploma of a recognized University or equivalent qualification in the subject and at least five years teaching experience in the subject in any University or College recognized by the Medical Council of India. |
| (ix) Post -Graduate Diploma in Administration  | (ix) At least five years teaching Business experience at the degree level or Post - Graduate classes in the subject.  |
| (x) Degree in Pharmacy   | (x) At least master Degree in Pharmacy with 3 years teaching experience   |
| (xi) Degree in Nursing   | (xi) At least a Masters Degree in Nursing with 2 years practical/teaching experience.   |

**B) Co - Examiners**

The qualification shall be the same as for the Paper -setters but the minimum teaching / professional experience required may be less by two years than that prescribed in the case of the Paper-setters.

Provided that in case of degree examination where sufficient number of internal co-examiners in a subject with the aforesaid qualification is not available, teacher in the University Colleges, Schools and Institutions of the University with at least three years teaching. Experience at the degree / Post - Graduate level in the subject shall be eligible for appointment as Co-examiners.

- 9 (1) In case of practical and Viva - Voce examinations at the Post - Graduate level, external examiner shall be a person, not below the rank of an Asst. Professor.
- (2) In case of practical and Viva - Voce examination at the first degree level, the external examiners shall be a teacher of the subject with not less than three years experience of teaching the subject at the degree and / or post graduate level.
- (3) The internal examiner in case of practical examination both at the degree and the post -graduate level shall be appointed from amongst the teachers of the Institution, whose regular candidates are to be examined at the centre on the recommendation of the Head of such Institution.
- (4) The external examiner at the post -graduate level in case of Practical /Viva Voce examination shall not ordinarily be a teacher of the University School/College.
- (5) Except in the Faculties of Medicine, Dentistry, Engineering Technology and Education, all external examiners in case of practical examination at the first-degree level shall as far as possible be appointed from amongst the teachers of the institutions or centres of the University.
10. (1) Ordinarily 50% of the paper setter at the post graduate and first degree examination in any subject be external
- (2) Where in for any paper, if more than one examiner is appointed the paper-setter shall be the Head Examiner. Examiners other than the paper - setter shall be the Co-examiners.
- (3) All Co-examiners shall be internal, provided that if sufficient number of qualified teachers in a subject is not available for appointment as Co-examiners, external Co-examiners may be appointed.
- (4) For appointment as Paper-setter and Co - Examiners, the teachers in the University Schools and Colleges and centre of the University shall ordinarily be considered on the basis of seniority subject to fulfillment of other conditions for such appointment.

11. (1) Ordinarily at least two Paper-setters shall be appointed for every subject. They shall necessarily belong to different centers.

(2) Ordinarily not more than one paper- setter shall be appointed from anyone University School or College or Centre in the same subject at any one examination.

(3) No one who is a Paper -setter at any post -graduate examination shall be appointed as an external Viva-Voce examiner at that examination.

(4) No one shall ordinarily be given more than two external practical examinations provided that in case of centre where the total strength of candidates appearing at years I, II and III of a first degree examination is less than 120, one external examiner may be appointed for all the three examinations.

(5) In case of under graduate practical examinations, one external examiner shall not ordinarily examine more than 120 candidates.

(6) In case of written examination an examiner shall not ordinarily evaluate value more than 250 scripts and a Co-examiner shall be appointed if the number of candidates appearing in the paper is more than 300.

(7) While recommending names for examinership in courses where English is not the sole medium of examination, the Examination - Committee shall ensure that the examiners recommended can evaluate the scripts written in Hindi.

(8) The provision of sub -paragraphs (2) above shall not apply in case of Examination in the faculties of Engineering, Technology, Education, Medical, Dentistry, Pharmacy, Nursing, etc:

12. (1) Examiner shall be appointed for the examination of a duration of one year only but they shall be eligible for re-appointment.

(2) Any person who has acted as an examiner (paper-setter Co-examiners or external, Viva-Voce examiner) for three consecutive years, shall ordinarily not be eligible for re-appointment until a period of one year elapses between the year in which he last acted as an examiner and the year in which he is re- appointed.

Provided that such a gap will not be necessary in case of internal examiners if the number of available eligible examiners in the subject concerned is less than the number of internal examiners required.

Provided also that on the recommendation of the Examination Committee a specialist or expert may be continued for two more years after the expiry of the three years period without a gap.

(3) An examiner may be discontinued any time even before the expiry of the three year period if in the opinion of the Examination Committee, his work is found to be unsatisfactory.

An examiner's work shall be deemed to be unsatisfactory if (i) mistakes of such nature are found in his work in the course of checking and scrutiny which affect the result or (ii) he is found by the Examination Committee to have delayed the work without good cause or (iii) there is an adverse report from the Head Examiner, or (iv) in the opinion of the Examination Committee, there are reasonable doubts about his integrity or suspicion that he is accessible to examinees or their relations and (v) If there are serious complaints against his paper e.g. that this paper was much above or below the standard or contained questions outside the prescribed course or the branch any such condition prescribed by the Examination Committee.

13. The paper-setter shall lay down a memorandum of instructions for the guidance of the co-examiners so that the latter may be in conformity with standard of the former in the evaluation of the answer-books.

14. If for any reason an examiner is unable to evaluate the answer-books or to perform the duties of the Head Examiner after setting the question paper, he shall be entitled to receive only one-half of the amount of fees for paper setting and the balance shall be payable to the examiner who performs the duties of the Head Examiner subsequently.

Provided that if the paper-setter dies before he is able to take up or complete the evaluation of the answer-books, full fee prescribed for paper setting shall be paid to his heirs.

15. In any subject, if a Viva - Voce Examination is prescribed. A board of two examiners of whom one shall be an external examiner and the other the internal examiner shall conduct the same.

16. In the case of Examinations like MBA, M.Com, M.Phil, MA where thesis is permissible in lieu of a paper or a project, there shall be a Board of two examiners for evaluating the thesis. The maximum number of marks for the thesis shall be equally divided between the two examiners each of whom shall mark the thesis independently. If the evaluation of these two examiners differ by 20%, the thesis shall be referred to the third examiner, (other than a teacher of the University) who shall award marks out of half of the maximum marks for the thesis. The aggregate of two (of the three) awards nearest to each other and to the best advantage of the candidate shall be taken as the correct evaluation.

17. In case of an examination for a research degree, the Examination Committee shall recommend for each thesis to be examined by a panel of at least six persons, out of which at least two persons shall belong to an outside University, whether in India or Abroad.

The panelists:

(a) Shall possess a Doctoral degree in the subject and have at least ten years teaching experience at the post graduate level or research experience.

(b) Are scholars of repute in the subject.

**18.** (i) No person shall act as a paper -setter or examiner either in theory, viva -voce or practical examination, if any of his relations is taking the examination provided that this provision shall not debar a person from acting as an examiner for practical at a centre other than that at which his relation is appearing.

(ii) No person shall act as moderator or tabulator for any examination if any of his relations is appearing or has appeared at that examination.

**19.** Notwithstanding the provisions contained in these ordinances, the Vice - Chancellor in consultation with the Academic Council and the Examination Committee may in so far as that particular examination is concerned modify all or some of the rules of meet the constraints.

**Ordinance No.7**  
**Condition of Residence in the Hostel**  
**(Section 27 (I) (g) of the Adhiniyam)**

1. The hostel maintained by the University College / School shall provide a most stimulating and holistic living environment that contributes significantly to superior academic performance.
2. Every hosteller at all times shall maintain highest standard of disciplines and conduct oneself befitting of the status of a student.
3. Each student desirous of taking admission in the hostel shall submit his application on the prescribed form to the Chief Warden after admission in the college / school along with proof of admission. He shall appear before the hostel committee in person along with the parents / local guardian and the original documents.
4. The admission to the hostel shall be granted at the discretion of the Warden in consultation with the Chief -Warden.
5. On admission to the hostel, the parents shall fill the requisite forms; nominate the local guardian and visitors allowed to the hostel.
6. The student shall occupy the room allotted to him / her. He / she shall not change the room or shift the furniture in / out of his / her room without the express permission of the hostel Warden.
7. The residents shall be responsible for the care and maintenance of the furniture, furnishing, fixtures, etc. Any damage to hostel property shall be made good by the resident.
8. The residents are debarred from using any electrical appliances other than provided or specifically permitted by the Warden in writing.
9. The students are prohibited to possess firearms, weapons or potentially dangerous instruments. Defaulters will be dealt with seriously including rustication.
10. Consumption of drugs / alcohol / intoxicants / smoking are strictly prohibited in the hostel premises. Defaulters will be severely dealt including expulsion.
11. The residents indulging in vandalism / violence within the hostel premises will be severely dealt with including expulsion.
12. The residents are liable to be suspended / expelled from the hostel on the grounds of non-attendances of classes / tutorials / practicals or willful violation of hostel rules I regulations, non-payment of hostel and messing charges.



13. All students are required to attend the evening roll call, at the time fixed and declared by the Warden from time to time. The students missing the roll call are liable to disciplinary action.
14. Hostel residents shall obtain written advance permission for proceeding on outstation leave
15. No visitors are allowed to be entertained inside the rooms. The visitors / guests may, however, be entertained in the visitors rooms.
16. No student is allowed to have his / her guest stay in his / her respective rooms with the permission of the Warden.
17. No student is allowed to cook meals in his / her hostel room. Meals will not be served in the room except in case of sickness.
18. Students shall not carry mess cookery / cutlery / glassware, etc. to their rooms. Defaulters will be severely dealt with.
19. All students leaving / rejoining the hostel shall enter their names in the dining out / dining in register. No student will be authorized to any rebate in the messing if his / her name has not been entered in this register.
20. The Chief Warden and the Warden for each hostel shall be appointed by the Vice-Chancellor from among the faculty members by rotation.
21. The hostel fees and messing charges have been laid down. In case of non-payment of the same within the scheduled time, the hosteller is liable to be asked to vacate the hostel.
22. Notwithstanding the foregoing, the Chief Warden shall have the powers to make additional rules and regulations for the residents from time to time and to get the hostel vacated without assigning any reasons.
23. No student shall disturb fellow students in their studies.

**Ordinance No.8**  
**Maintenance of Discipline Amongst students**  
**(Section 27 (I) (h) of the Adhiniyam)**

1. All students pursuing a course of study at the University Schools and Colleges shall observe a code of conduct both within and outside the campus in a manner befitting the student of an institute of national stature.
2. Each student shall show due respect and courtesy to the teachers, administrators, and other employees if the institute and good neighborly behavior towards fellow students.
3. Any violation of the code of conduct or breach of any rule or regulation of the University by the student shall constitute an act of indiscipline and shall make him/ her liable for disciplinary action.
4. The following act shall constitute acts of gross indiscipline and students indulging in any of them shall be liable to disciplinary action against him:
  - (a) Disobeying the teachers and displaying misdemeanor within the University premises.
  - (b) Indulging in Vandalism / Violence and damaging University and / or Public property or property of a fellow students.
  - (c) Quarrelling, fighting and passing derogatory remarks in the University premises against its employees / canteen and mess workers, etc.
  - (d) Possession and use of firearms, weapons and potentially dangerous instruments, etc.
  - (e) Consumption and sale of drugs/alcohol/intoxicants, etc.
  - (f) Indulging in ragging, which is strictly prohibited as per Supreme Court ruling.
  - (g) Any other act which the Disciplinary Committee may determine to be undesirable.
5. The Dean (Discipline) shall be appointed from amongst the teaching staff of the University schools and colleges by the Vice-Chancellor for a period of one year to maintain the discipline.

## 6. Powers and Duties of Dean (Discipline)

The Dean (Discipline) shall exercise following powers: -

- (i) Discipline Committee. Dean (Discipline) shall be the Chairman of the Discipline Committee. The Discipline Committee shall consist of one senior faculty from all schools / colleges of the University.
- (ii) In the event of a complaint against a student, the Dean of the respective college / school shall conduct a preliminary enquiry into the matter and if in his opinion there exist a prima facie case against the student, he shall in case of minor offences impose punishments such as reprimand, disciplinary probation, fine, withholding results, debarring use of placement services. He shall subsequently file a report to the Discipline Committee.
- (iii) If the Dean is of the opinion that the offence is of grave nature, he shall refer the same to the Disciplinary Committee. Upon receipt of such a complaint, the committee shall depute an enquiry officer to determine the facts pertaining to the complaint, who in turn shall file his report to the Committee within 3 days.
- (iv) The Discipline Committee on receipt of report from the inquiry officer shall consider the same. In case of clear-cut findings, the Committee may award the punishment without any hearing. However, in all other cases, the committee shall give a hearing to both the parties and levy punishments such as debarring from examinations, withholding degree, cancellation of registration and even dismissal from the University.
- (v) If in the opinion of the Dean (Discipline), the act of indiscipline is of grave nature involving violence, drug abuse, sexual harassment, vandalism, ragging, possession of firearms, or such other types of offence which attract the penalty of rustication or expulsion of the student, the matter shall be referred to the Vice-Chancellor.
- (vi) In addition to the above the Dean (Discipline) may for each act of indiscipline the first time give a student a black spot. For the second act he will give the student 2 black spots and for the third act he will give 3 black spots. The moment a student accumulates 7 black spots, he will be expelled from the University with the express approval of the Vice-Chancellor.
- (vii) The Vice-Chancellor shall be apprised of all the students getting 3 and more black spots by the Dean (Discipline).

**Ordinance No.9**  
**Other Bodies for improvement of Academic Life of the University**  
**(Section 27 (I) (i) of the Adhiniyam)**

1. The University shall have the following bodies for the improvement of the academic quality of the University:-

- (a) Education Policy Committee
- (b) Board of Studies
- (c) Honorary degrees award committee
- (d) Under Graduate Committee
- (e) Post Graduate Committee

2.0 Educational Policy Committee shall comprise the following

- (i) The Vice-Chancellor -Chairman
- (ii) The President
- (iii) The Chairman UG Studies
- (iv) The Chairman PG Studies
- (v) Three Deans / Asst. Deans / Faculty by rotation or nominated by the Vice - Chancellor.
- (vi) Two students nominated by the Vice - Chancellor.
- (vii) One of the faculty members nominated shall act as the convener. The President shall preside over the meeting in the absence of the Vice - Chancellor.

2.1 The committee shall consider the following: -

- (i) To consider innovative approach in all disciplines at national and international level.
- (ii) To consider all fundamental matters of education policy referred to it by the Academic Council and any other committee / academic council of any school/college.
- (iii) To consider and initiate action on modification and up gradation of syllabus.
- (iv) To examine reports on future research activities.

3. Board of Studies. A Board of Studies shall be constituted for each subject or group of subjects. The constitution powers and duties of the Board of Studies are contained in Ordinance 2.

4. Honorary Degree Award Committee: The constitution of the committee shall be as under:

- (a) The President -Chairman
- (b) The Vice-Chancellor
- (c) The Registrar

4.1 The committee shall consider names of those individuals who have made indelible impression on the minds of the people working in areas related to the goals of the institute and who have inspired various sections of the society.

4.2 The committee shall forward the names so considered to the Governing Body for final decision.

5. Undergraduate Studies Committee: The composition of the committee is as follows:

- (a) Dean -Chairman, nominated by the Vice-Chancellor by rotation.
- (b) Dean / Associate Dean / Senior Faculty from each school/ college.
- (c) Students from the Deans list.

5.1 The functions of the committee are listed below:

- (a) To examine the need of modification of courseware of already existing courses.
- (b) To review the system of assessment and credit valuation.
- (c) To review the existing examination system and recommend improvements if any.
- (d) To review and suggest improvements in learning resources.
- (e) To recommend to the Academic Council the addition of new courses in lieu if some of the otherwise redundant courses.

6. Post Graduate Studies Committee: The compositions of the committee are as follows:

- (a) Dean - Chairman nominated by the Vice - Chancellor by rotation.
- (b) Dean / Associate Dean / Faculty from schools, colleges offering PG programmes or likely to offer shortly
- (c) 3 students nominated by the Vice - Chancellor.

6.1 The functions of the committee are listed below:

- (a) To examine the need of modification o courseware of already existing courses.
- (b) To review the system of assessment and credit valuation.
- (c) To review the existing examination system and recommend improvements if any.
- (d) To review and suggest improvements in learning resources.
- (e) To recommend to the Academic Council the addition of new courses in lieu if some of the otherwise redundant courses.
- (f) To review and recommend improvements is the admission procedure for PG students.
- (g) To appoint research scholars and fellows.
- (h) To suggest and review rules governing the form of presentation and disposal of thesis for masters and doctoral programme to the Academic Council.
- (i) To assist college postgraduate committees.

**Ordinance No.10****Cooperation and Collaboration with other Universities and Institution of Higher Education****(Section 27 (I) (g) of the Adhiniyam)**

1. The University shall seek cooperation and collaboration with the existing University and Institutes of Higher Education in India and abroad and execute a Memorandum of Understanding (MOU) detailing the extent and areas of cooperation and collaboration mutually agreed upon.
2. The University shall open its own distance education Study Centres, Distance Education Academic Centres, Off-Campus in various parts of the country and abroad. To promote Higher Education in emerging and traditional fields of studies.
3. The institutions desirous of establishing Distance Education Centres shall furnish the details on the prescribed form along with adequate documentary evidence.
4. The University may collaborate with Universities and Institutes of excellence engaged in Higher Education in foreign countries for the award of their degree in India including Top up.

रायपुर, दिनांक 22 नवम्बर 2003

क्रमांक एफ-73-144/03/उ. शि./38—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत लूथरन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, रायपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 16 (सोलह) प्रथम संविधियां अनुमोदित करता है।

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होगी।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

## LUTHERAN INTERNATIONAL UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES

ESTABLISHED under section 5 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswavidyalaya (Stapana aur Viniyaman) Adhiniyam 2002, vide Notification of the Government of Chhattisgarh No. F/73/144/2003/HE/38 dated 30-8-2003 and Gazetted on 5-9-2003.

### FIRST STATUTES

Made in accordance with provisions in section 25 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswa Vidyalaya ( sthapana Aur Viniyamam) Adhinayam 2002.

- 1.1. These statutes shall here in after be called, the FIRST STATUES of the LUTHERAN INTERNATIONAL UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES-2003
- 1.2. These First Statutes are applicable to the LUTHERAN INTERNATIONAL UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES and any matter relating thereto.
- 1.3. These First statutes shall come into force on the date of Publication of these First Statutes by the Government of Chhattisgarh in the Official Gazette.
- 1.4. The Registered office of the LUTHERAN INTERNATIONAL UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES shall be located in the State of Chhattisgarh, India.
- 1.5. Branch campus, Administrative Office, Off Campus Centers, Academic Center, Affiliated Colleges and Institutions of the LUTHERAN INTERANTIONAL UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES shall be established in Chhattisgarh and other states of India and abroad.
- 1.6. The medium of instruction for all courses shall be in English.

---

**STATUTE 1**

---

**A. Appointment, Powers and Terms of Appointment of the Chancellor****(Section 14 of the Adhiniyam)**

1. The Chancellor shall be appointed by the sponsoring body for a period of three years, with prior approval of the Visitor
2. The Chancellor shall be the head of the University.
3. The Chancellor shall preside at the meeting of the Governing Body (Senate) and shall, when the Visitor is not present, preside at the convocation of the University for conferring degrees or diplomas.
4. The Chancellor shall have the following powers:
  - a. To call for any information or record pertaining to the university
  - b. To appoint the Vice Chancellor
  - c. To remove the Vice Chancellor
  - d. To constitute such committees as he deems necessary to help in the discharge of duties entrusted to him by or under the Adhiniyam
5. The honorarium and allowances of the Chancellor shall be determined by the Governing Body from time to time.



---

**STATUTE 2**

---

**Appointment, Terms and Conditions of Appointment of the Vice Chancellor and His Powers and Duties****(Section 15 and 25(1)(b) of the Adhiniyam)**

1. The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor from a panel of three persons recommended by the Governing Body, and shall hold office for a term of four years. The Vice Chancellor shall be eligible for re-appointment for another term not exceeding four years. Provided that he shall cease to hold office on attaining the age of 65 years.

The Vice Chancellor shall be a full-time salaried officer of the University. The remuneration and allowances of the Vice Chancellor shall be fixed by the Governing Body from time to time.

2. The Vice Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the University and shall exercise general superintendence and control over the affairs of the University and shall execute the decisions of the various authorities of the University. He shall be the chairman of the Board of Management (Syndicate) and of the Academic Council.
3. The Vice Chancellor shall preside at the convocation of the university in the absence of both the Visitor and the Chancellor;
4. If in the opinion of the Vice Chancellor it is necessary to take immediate action on any matter for which powers are conferred on any other authority by or under the Adhiniyam, he may take such action as he deems necessary and shall at the earliest opportunity thereafter report his action to such officer or authority as would have in the ordinary course dealt with the matter:

Provided that if in the opinion of the concerned authority such action should not have been taken by the Vice Chancellor then such case shall be referred to the Chancellor, whose decision thereon shall be final.

Provided further that where any such action taken by the Vice Chancellor affects any person in the service of the University such person shall be entitled to prefer, within three months from the date on which such action is communicated to him, an appeal to the Board of Management and the Board of Management may confirm or modify or reverse the action taken by the Vice Chancellor.

5. If in the opinion of the Vice Chancellor any decision of any authority of the University is outside the powers conferred by the Adhinyam, statutes or ordinances or is likely to be prejudicial to the interest of the University, he shall request the concerned authority to revise its decision within seven days from the date of his decision, and in case the authority refuses to revise such decision wholly or partly or fails to take any decision within seven days, then such matter shall be referred to the Chancellor and his decision thereon shall be final.
6. If any time upon representation made or otherwise and after making such inquiries as may be deemed necessary, the Chancellor by an order in writing stating the reasons therein, may ask the Vice Chancellor to relinquish his office as from such date as may be specified in the order.

**STATUTE 3****A. Appointment, Terms and Conditions of Appointment and Powers of the Registrar****(Section 16 and 25(1)(c) of the Adhiniyam)**

1. The Registrar shall be appointed by the Governing Body, from out of a panel of not less than three persons recommended by the Board of Management.

The Registrar shall be a full-time salaried officer of the University. The remuneration and allowances of the Registrar shall be fixed by the Governing Body from time to time

2. All contracts shall be signed and all documents and records shall be authenticated by the Registrar on behalf of the University
3. The Registrar shall be the custodian of the records, the common seal and such other property of the University, as the Governing Body shall commit to his charge.
4. The Registrar shall issue all notices for convening the meetings of the Governing Body, Board of Management and the Academic Council. He shall be the secretary of the Board of Management and the Academic Council. He shall execute the decisions taken by these authorities.
5. The Registrar shall conduct the official correspondence of the University.
6. The Registrar shall arrange for and superintend the examinations of the University.
7. The Registrar shall discharge such functions as may be assigned to him by the Chancellor, Governing Body and Vice Chancellor.
8. The Registrar shall render such assistance as may be desired by the Chancellor and the Vice Chancellor in the discharge of official duties.
9. The Registrar shall issue the appointment orders of the faculty and staff and shall process disciplinary action over them, as decided by the Board of Management and the Governing Body.

**B. Appointment, terms of appointment and powers and duties of the Chief Finance and Accounts Officer**

(Section 17 and 25(1)(c) of the Adhiniyam)

1. The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the Governing Body. He shall be a full-time salaried officer. His remuneration and allowances shall be fixed from time to time by the Governing Body.
2. He shall, subject to the control of the Vice Chancellor and the Board of Management, have the following powers and duties:
  - a. hold and manage the property and investments of the University
  - b. be responsible for the budgets and accounts of the University
  - c. be responsible for the registers, inventories and documents pertaining to the land, immovable and movable assets and shall be responsible for the stock-taking and checking
  - d. be responsible for the preparation of the annual budget, accounts and their auditing
  - e. shall have the power to call from any office or institution of the University, any information or document that he considers necessary for the performance of his duties

---

**STATUTE 4**

---

**Academic Council**

(Section 19 (1) (3) and 22 of the Adhiniyam)

1. The Academic Council shall be the principal academic body of the University, and shall have general responsibility for the standards of education, instruction and examinations of the University. It shall have the right to advise the Board of Management on all academic matters.
2. The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Academic Council.
3. The Academic Council shall consist of the following members:
  - a. The Vice Chancellor
  - b. The Registrar
  - c. Deans of the faculties
  - d. Chairmen, Boards of Studies
  - e. Three teachers from the affiliated institutions/branch campuses/study centres, nominated by the Vice Chancellor
  - f. Two faculty members of the University, less than the rank of professor, nominated by the Vice Chancellor
  - g. Two students nominated by the Vice Chancellor
  - h. Two external experts nominated by the Chancellor

---

**STATUTE 5****Other Officers of the University****(Section 12 (6) and 18 and 25(1)(d) of the Adhiniyam)****A. Deans of faculties**

1. There shall be a Dean for each faculty in which the University is imparting education.
2. The Dean shall be elected, by the members of the faculty, from amongst the Professors of the faculty, provided that if there is no Professor, a Reader may be elected.
3. The term of a Dean shall be three years.
4. The Dean shall preside over the meetings of the faculty.
5. The Dean shall perform any other duties assigned to him from time to time by the Board of Management and the Academic Council

**B. Principals/Deans/Directors of Institutions**

1. Each institution under the University shall have a Dean, Principal or Director
2. The Dean/Principal/Director shall be the academic and administrative head of the institution, subject to the control of the Vice Chancellor and the Board of Management. He shall preside over the meetings of the institution.
3. The Dean shall hold office for a period of three years and is eligible for re-appointment.

---

**STATUTE 6**

**Terms and Conditions of the Employees of the University**

**(Section 25(1)(c) of the Adhiniyam)**

1. The Board shall formulate the policies and terms and conditions of appointment and of services of faculty members and employees with the approval of the Chancellor.
2. The Registrar shall issue the appointment orders of the employees of the University in accordance with policies and procedures as formulated by Board of Management.

---

**STATUTE 7****The Procedure for Arbitration in Case of Disputes****(Section 25(1)(f) of the Adhiniyam)**

1. The Governing Body (senate) shall make policies and regulations providing for appeal and arbitration in cases of disputes between officers, members of the faculty, employees and students.



---

**STATUTE 8****The Conferment of Honorary Degrees****(Section 25(1)(g) of the Adhiniyam)**

1. The Academic Council may itself nominate or shall receive nominations for an eminent person(s) to be granted an honorary degree(s). The Academic council shall consider the nomination(s) and submit the nomination(s) with its recommendation to the Chancellor for his approval.
2. Nominations of persons for honorary degrees may be made by any officer or authority of the University.
3. The honorary degree may be awarded at the regular convocation of the University or at a special convocation convened for such purpose.

**STATUTE 9****Exemption from Tuition Fee and Award of Scholarships****(Section 25(1)(h) of the Adhiniyam)**

1. The assistance obtained from the Central Government, State Government or any other donor or philanthropic organization shall be applied towards meeting in part or in full any amount payable by students belonging to socially disadvantaged or economically weak and shall be disbursed as per the directions of the authorities providing such assistance.
- 2.. The University will also make provision for the award of fellowships, scholarships and stipends from its own funds as per the guidelines and norms laid down by the Board of Management.

## STATUTE 10

**Policy of Admissions and Reservation of Seats****(Section 25(1)(i) of the Adhiniyam)**

1. The admission to various courses of the University shall be made on the basis of merit.
2. The reservation of seats for SC/ST/OBC and other categories shall be subject to the rules framed by the Government of Chhattisgarh for this purpose. Provided that candidates admitted in the reserved categories shall be required to pay the fees decided by the University and that the vacant seats from the reserved categories are filled prior to the start of the academic session.

---

**STATUTE 11**

---

**Fees to be Charged from Students****(Section 25(1)(j) of the Adhiniyam)**

1. The Governing Body shall appoint a Fee Fixation Committee of experts to recommend the schedule of tuition and other fees to be charged for the various courses and categories of students.
2. The schedule of fees to be fixed shall take into consideration the unit cost of education, start-up and capital expenditures, future development of the University and other factors for the benefit of the University
3. The tuition and other fees for each academic year shall be approved by the Governing Body.

---

**STATUTE 12****Seats in Different Syllabi****(Section 25(1)(k) of the Adhiniyam)**

1. In the undergraduate courses, the number of students in each faculty/department/course/study center/ affiliated college shall be recommended by the Academic Council to the Board of Management.
2. In the postgraduate courses, the number of students in each faculty/department/course/study center/ affiliated college shall be recommended by the Academic Council to the Board of Management.
3. Clauses (1) and (2) above will be subject to:
  - a. the facilities and faculty shall being adequate for each faculty/course/department/study center/ affiliated college
  - b. the guidelines and regulations of the concerned statutory council

**STATUTE 13****Establishment of Study Centres of the University****(Section 3 (7) of the Adhiniyam)**

1. The Board of Management of the University shall establish study centers/affiliated colleges/ branch campuses for the purpose of disseminating the educational courses of the University.
2. Each study center/ affiliated college/branch campus shall conform to the standards for facilities, faculty and other academic inputs and procedures for examinations as decided by the Board of Management.
3. The procedures for admissions and registration of students at the study centers/affiliated colleges/branch campuses shall be decided by the Board of Management.
4. The schedule of fees and procedures for the collection and remittance of fees to the University shall be laid down by the Board of Management.

## STATUTE 14

## Distance Education

## (Section 3 (7) of the Adhiniyam)

1. The University will set up an institute of distance education, which will coordinate all the distance education programs and courses offered by the various faculties.
2. Distance education courses will be offered by various modes: direct mail materials, web-based online, real-time live lectures, journals and enduring materials such as CDs, audio cassettes etc.
3. Distance education courses will be offered at various places as provided in section 3(7) of the Adhiniyam.
4. Distance education courses may be delivered through remote classroom for group learning or by individually directed modes.
5. The University may arrange contact programs for distance learners.
6. The institute of distance education will be responsible for the admissions, registration, examinations and recommendation for award of diplomas, certificates and degrees. The institute will coordinate the various administrative and academic functions of the distance education programs, subject to the general control of the Vice-Chancellor and the Board of Management.
7. The institute of distance education will be headed by a Principal/Dean/Director who shall be appointed by the Board of Management. He will report to the Vice Chancellor.
8. The University will endeavour to offer its distance education courses in educationally underserved areas.
9. Candidates granted degrees and other awards shall have attained the same academic standard irrespective of mode or place of study or examination.

### राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

अंबिकापुर, दिनांक 24 सितम्बर 2003

क्रमांक 07/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

#### अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
सरगुजा	सामरी (कुसमी)	सिविलदाग	24.222	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग क्रमांक-2, अम्बिकापुर.	सिविलदाग तालाब के शीर्ष, नहर एवं स्पील चैनल निर्माण योजना हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
एस. के. राजू, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.